दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-198 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 16 सितम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

रिक्त पदों की वजह से ट्रिब्यूनल खत्म नहीं होने चाहिएः सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को यह टिप्पणी की कि रिक्त पदों के कारण ट्रिब्यूनल निष्क्रिय नहीं होने चाहिए, और केंद्र सरकार से कहा कि वह नई नियुक्तियां होने तक ऐसे अर्द्ध-न्यायिक निकायों के रिटायर हो रहे पीठासीन अधिकारियों और सदस्यों का कार्यकाल एक महीने या उसके आसपास बढ़ाने पर विचार करे.

इस मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने की.केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने पीठ से कहा कि नई नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू हो गई है और एड हॉक एक्सटेंशन की ऐसी किसी भी अर्जी पर विचार नहीं किया जाना चाहिए.अटॉर्नी जनरल का जवाब एक वकील की उस बात पर आया जिसमें उन्होंने अलग-अलग ट्रिब्यूनल में खाली पदों के बारे में बताया था, जिसमें डेट रिकवरी अपीलेट ट्रिब्यूनल भी शामिल है, जिसके कुछ सदस्य जल्द ही रिटायर हो रहे हैं। अटॉर्नी जनरल ने कहा, अब जब सब कुछ शुरू हो गया है, तो इन अंतरिम एप्लीकेशन पर अब और विचार नहीं किया जा सकता है. एक या दो महीने से कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए.पीठ ने अटॉर्नी जनरल से पूछा, क्या आप अपने स्तर पर यह निर्णय ले सकते हैं कि आप एक या दो महीने के लिए एड हॉक व्यवस्था बढ़ाएंगे.सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल से कहा कि उसे इस बात का एक निश्चित जवाब चाहिए कि पदों को भरा जाएगा, और आगे जोड़ा कि जैसे ही वह इन याचिकाओं का निपटारा करेगी।

यह पूरी तरह खारिज करने लायक मामला है, निलंबित डीआईजी भुल्लर की जमानत अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को पंजाब पुलिस के निलंबित डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर की दूसरी जमानत याचिका पर सुनवाई हुई. इस दौरान कोर्ट ने कहा कि यह शत-प्रतिशत खारिज करने लायक मामला है.भुल्लर को पिछले साल अक्टूबर में सीबीआई ने भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार किया था. भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने भुल्लर की जमानत याचिका पर सुनवाई की.सीजेआई ने पूछा, यह पूरी तरह से खारिज किए जाने योग्य मामला है! आप इसे अभी खारिज कराना चाहते हैं या बाद में पीठ ने मामले की सुनवाई चार हफ्ते बाद निर्धारित की. पीठ ने यह भी इशारा किया कि कुछ जरूरी गवाहों से पूछताछ के बाद वह जमानत याचिका की जांच-पड़ताल करेगी। सुनवाई के दौरान, भुल्लर के वकील ने दलील दी कि शिकायतकर्ता और एक अहम गवाह से अभी तक पूछताछ नहीं की गई है।

पंजाब के अमृतसर में जनरेटर से गैस लीक होने से 1 की मौत 4 बीमार पड़े

अमृतसर(आरएनएस)। शहर के महान सिंह गेट इलाके में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक मशहूर लॉटरी की दुकान के ऊपर लगे जनरेटर से कथित जहरीली गैस लीक होने से कई लोग प्रभावित हुए. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब कुछ लोग वहां बैठकर खाना खा रहे थे।

एएसआई शरणजीत सिंह ने बताया, जेनरेटर से अचानक गैस लीक होने से वहां मौजूद लोगों की हालत बिगड़ गई. गैस के संपर्क में आने से पांच लोग बेहोश हो गए. घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई और बेहोश लोगों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया. अस्पताल में इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली में डीआरडीओ भवन में विमर्श 2026 के दौरान एक समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान के गवाह बने।

भारत में बनेगी रूस की इवोल्गा एफजी ट्रेन, स्पीड 360 केएमपीएच, टीएमएच ने दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत में पहली हाई-स्पीड ट्रेन यानी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन अगस्त 2027 से शुरू होने की उम्मीद है. इस बुलेट ट्रेन परियोजना का निर्माण जापानी तकनीक की मदद से किया जा रहा है. हाल में नई दिल्ली में संपन्न हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या रूस की इवोल्गा एफजी हाई-स्पीड ट्रेन भारत में भी दौड़ेगी.रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिक्स समिट के दौरान रूसी रोलिंग स्टॉक निर्माता कंपनी ट्रांसमाशहोल्डिंग (टीएमएच) ने भारत में इवोल्गा एफजी ट्रेन को संयुक्त रूप से विकसित और उत्पादित करने की पेशकश की है.इवोल्गा एफजी ट्रेन की डिजाइन स्पीड 360 किमी प्रति घंटा (केएमपीएच) है और इसे भारत के लिए एक संभावित हाई-स्पीड रेल समाधान के रूप में पेश किया जा रहा है. टीएमएच ने रूसी इंजीनियरिंग और वैज्ञानिक विशेषज्ञता का उपयोग करके हाई-स्पीड रेल तकनीक में संयुक्त अनुसंधान और विकास का प्रस्ताव दिया है. रूसी कंपनी ट्रांसमाशहोल्डिंग पहले से ही रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के साथ वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के निर्माण कार्य में लगी है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत की विश्व में बढ़ती साख का प्रतीक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा से संकल्प अभियान

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नई दिल्ली में हाल ही में हुआ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन सच्चे अर्थों में भारत की विश्व भर में बढ़ती भूमिका का प्रतीक बन गया। मुख्यमंत्री ने ब्रिक्स सम्मेलन की सफलता और इस अवसर पर पारित हुए नई दिल्ली घोषणा पत्र को केन्द्र सरकार की कूटनीतिक जीत का प्रमाण बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने एक बार फिर दुनिया के सामने अपना वर्चस्व साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि पहले जी-20 और अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की सफलता वैश्विक गवर्नेंस में भारत की बढ़ती लीडरशिप का जीवन्त उदाहरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद् की बैठक में मंत्रिगण को संबोधित कर रहे थे। बैठक में ब्रिक्स सम्मेलन की अपार सफलता के लिए पूरी मंत्रिपरिषद् द्वारा मेजें थप-थपाकर प्रधानमंत्री श्री मोदी और केन्द्र सरकार को बधाई और शुभकामनाएं देकर अभिनंदन किया गया। मंत्रिमण्डल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उनकी सफल दुबई यात्रा के लिए भी बधाई दी। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में पिछले ढाई वर्षों में दीर्घ अवधि से लंबित रहे

बड़े कार्यों के पूरे होने, प्रदेश में परिवहन सेवाओं के विस्तार, ग्रामीण परिवारों को उनके पट्टे के पक्के अधिकार, निवेश के नए अवसरों तथा जनसेवा से जुड़े आगामी अभियानों की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने मंत्रीगण से अपने-अपने प्रभार के जिलों में भी सरकार की सभी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नेतृत्व करने का भी आह्वान किया।

नई दिल्ली घोषणा-पत्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि ब्रिक्स के 11 सदस्य देश विश्व की लगभग 49.5 प्रतिशत आबादी, 40 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी और 26 प्रतिशत वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत की अध्यक्षता के दौरान 25 शहरों में 350 से अधिक बैठकें और कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा ब्रिक्स नई दिल्ली घोषणा-पत्र को सर्वसम्मति से अपनाया गया। शांति, आतंकवाद, व्यापार, वित्त, तकनीक और सतत् विकास पर साझा दृष्टिकोण सामने आया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वैश्विक व्यवस्था को पिरामिड ऑफ प्रिविलेज से प्लेटफॉर्म ऑफ पार्टनरशिप में बदलने और रूल टेकर से रूल शेपर बनने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति दोहराई गई और 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम (कश्मीर) में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई। तेज, सुरक्षित एवं कम लागत वाले क्रॉस-बॉर्डर भुगतान तंत्र, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा साइबर सहयोग को समावेशी विकास के महत्वपूर्ण साधन के रूप में बढ़ाने पर जोर दिया गया।

स्पाइसजेट की दुबई जाने वाली 2 फ्लाइट 24 घंटे से ज्यादा लेट, यात्रियों का प्रदर्शन

नईदिल्ली,(आरएनएस)। स्पाइसजेट की दिल्ली से दुबई जाने वाली 2 फ्लाइट 24 घंटे से ज्यादा लेट हो गईं। इसके बाद परेशान यात्रियों ने दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 पर प्रदर्शन किया। यात्रियों ने बताया कि इन दोनों उड़ानों का समय बार-बार बदला गया, जिसके चलते ये अपने निर्धारित समय से 24 घंटे से भी ज्यादा लेट हो गईं। इसके बाद गुस्साए करीब 200 यात्रियों ने टर्मिनल 3 पर प्रदर्शन किया। स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी 5111 सोमवार सुबह 7:45 बजे दिल्ली से दुबई के लिए रवाना होने वाली थी। बार-बार इसका समय बदला गया।

राहुल गांधी बोले-सरकार अमेरिका के आगे झुकी, चुपचाप यूपीआई पर शुल्क लगाने का रास्ता खोला

नईदिल्ली,(आरएनएस)। यूपीआई के जरिए 2,000 रुपये से ज्यादा के भुगतान पर संभावित शुल्क लगाने को लेकर सियासत गरमा गई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा सरकार ने चुपचाप यूपीआई पर शुल्क लगाने का रास्ता खोल दिया है। राहुल ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार अमेरिका के आगे झुक रही है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी कहा कि मोदी सरकार की लूट यूपीआई तक पहुंच गई है।

राहुल ने कहा, सरकार कहती है कि ग्राहक से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, लेकिन दुकानदार पर लगने वाला शुल्क आखिर आएगा कहां से? कीमतों में जुड़कर ग्राहक की जेब से। अमेरिकी पेमेंट कंपनियां लंबे समय से भारत की शून्य-एमडीआर नीति का विरोध करती रही हैं। अब मोदी सरकार ने ठीक उसी दिशा में नीति बदलने का रास्ता खोल दिया है। अमेरिकी व्यापार समझौते की तरह ही प्रधानमंत्री मोदी एक बार फिर अमेरिकी दबाव के सामने आत्मसमर्पण कर रहे हैं। खड़गे ने कहा, गगनचुंबी महंगाई से आम आदमी की जेब पहले ही खाली है। थोक महंगाई 10 प्रतिशत के करीब है और भाजपा सरकार ने जनता पर डिजिटल पेमेंट टैक्स लगाकर बची-कुची बचत को भी तबाह करने की योजना बना दी है।

गुरुग्राम हिट एंड रन का आरोपी राजस्थान के दौसा से गिरफ्तार, पुलिस ने दर्ज की हत्या के प्रयास की धारा

गुरुग्राम (ए.)। साइबर सिटी गुरुग्राम में दिल दहला देने वाले हिट एंड रन मामले के मुख्य आरोपी कल्याण बैंसला को पुलिस ने राजस्थान के दौसा से गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास जैसी संगीन धाराएं भी जोड़ दी हैं। यह सख्त कार्रवाई पीड़िता सिया की बाइक पर लगे कैमरे के उस वीडियो फुटेज के सामने आने के बाद की गई है, जिसमें साफ दिख रहा है कि टक्कर मारने के बाद भी कार चालक रुका नहीं और बेबस पीड़िता काफी दूर तक सड़क पर बेरहमी से घिसटती चली गई। सड़क हादसे के बाद घायल को बेसहारा छोड़कर भाग जाना और पुलिस को सूचना न देना कानूनन हिट एंड रन की श्रेणी में आता है। भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत ऐसे मामलों में धारा 106 सबसे प्रमुख मानी जाती है। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, यदि चालक की लापरवाही से किसी की जान जाती है और वह घायल को अस्पताल पहुंचाने या पुलिस को सूचना देने में मदद करता है, तो बीएनएस की धारा 106(1) के तहत अधिकतम 5 साल तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है।

राजौरी में आतंकी नेटवर्क पर पुलिस का शिकंजा, लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े तीन OGW गिरफ्तार

राजौरी (ए.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने राजौरी में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े ओवर ग्राउंड वर्कर नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी आतंकवादियों को लॉजिस्टिकल सपोर्ट देने, उनकी सुरक्षित आवाजाही में मदद करने और जमीनी स्तर पर अन्य सहायता उपलब्ध कराने में कथित तौर पर शामिल थे।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जाकिर हुसैन पुत्र गुलाम हुसैन निवासी कोटचरवाल टेरियाथ, राजौरी, मोहम्मद आजम पुत्र अली बहादुर निवासी कोटचरवाल टेरियाथ, राजौरी और मोहम्मद मुश्ताक पुत्र मोहम्मद इकबाल निवासी उधान, राजौरी के रूप में हुई है। तीनों आरोपी राजौरी जिले के रहने वाले हैं।

पुलिस ने पीर पंजाल इलाके में सक्रिय एक आतंकी मॉड्यूल की जांच के दौरान इन आरोपियों को गिरफ्तार किया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी कथित तौर पर आतंकवादियों को लॉजिस्टिकल सहायता, सुरक्षित ठिकाने और आवाजाही में मदद मुहैया कराते थे। जांच में यह भी पता चला है कि आरोपी कथित तौर पर गाइड के रूप में काम करते थे और आतंकवादियों को पीर पंजाल क्षेत्र से कश्मीर घाटी की ओर जाने में मदद करते थे। पुलिस को संदेह है कि उन्होंने नागरिकों पर हमलों समेत कई बड़े आतंकी हमलों में शामिल आतंकवादियों को जमीनी स्तर पर सहायता उपलब्ध कराई थी।

2,000 रुपए से ज्यादा PI पेमेंट पर चार्ज लगेगा, 15 अक्टूबर से जानिए नया नियम

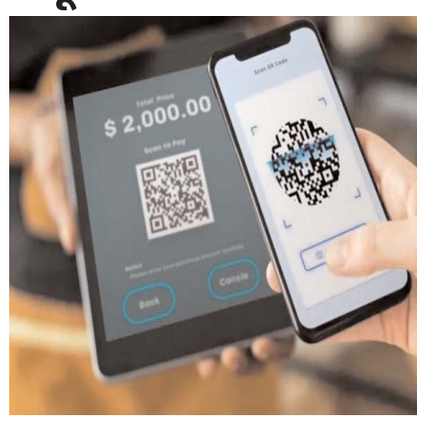

नई दिल्ली (ए.)। UPI पेमेंट्स ट्रांजेक्शंस को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर यह है कि नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने आज घोषणा कर दी है कि सरकार 15 अक्टूबर से चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट UPI ट्रांजैक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) लागू करेगी। UPI से 2,000 से ज्यादा पेमेंट पर 0.4त्न चार्ज लगेगा। फीस की मैक्सिमम लिमिट 300 रुपए तक की गई है। यह अमाउंट अलग-अलग ट्रांजैक्शन पर निर्भर करेगा। यह शुल्क ग्राहकों से नहीं बिजनसेमैन से लिया जाएगा। 75,000 रुपये या उससे अधिक के भुगतान पर अधिकतम शुल्क 300 रुपये तय किया गया है।यह नया ढांचा यूपीआई पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अधिक टिकाऊ वाणिज्यिक मॉडल बनाने के उद्देश्य से है। इससे प्राप्त आय का उपयोग भुगतान बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए किया जाएगा। साथ ही, साइबर सुरक्षा, नवाचार और ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी। यह कदम डिजिटल लेनदेन को और मजबूत करेगा।

न घर के रहे न घाट के! ममता बनर्जी से अलग हुए 17 सांसदों को BJP ने भी एंट्री देने से किया साफ इनकार

कोलकाता (ए.)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में उस वक्त जबरदस्त सियासी भूचाल आ गया, जब तृणमूल कांग्रेस (TMC) से बगावत करने वाले एक सांसद ने दावा कर दिया कि 17 बागी सांसद जल्द ही भारतीय जनता पार्टी (BJP) का दामन थामने जा रहे हैं। हालांकि, बंगाल भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए बागी नेताओं की एंट्री पर पूरी तरह ब्रेक लगा दिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने साफ लफ्जों में कह दिया है कि भाजपा केवल इसलिए किसी को पार्टी में जगह नहीं देगी क्योंकि वह इसमें शामिल होना चाहता है। राज्य में भाजपा की कमान संभाल रहे प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने बागी सांसद

जगदीशचंद्र बासुनिया के बयानों को हवा-हवाई करार देते हुए तंज कसा कि बासुनिया जिस भाजपा की बात कर रहे हैं, क्या वह 'मंगल ग्रह वाली भाजपा' है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तृणमूल कांग्रेस या नवगठित एनसीपीआई (NCPI) से किसी भी सांसद को पार्टी में शामिल करने की कोई योजना नहीं है। भट्टाचार्य ने जोर देकर कहा कि बंगाल की जनता भूली नहीं है कि टीएमसी शासन के दौरान इन नेताओं और सांसदों ने आम लोगों पर किस तरह के अत्याचार किए थे, ऐसे में पार्टी अपनी विचारधारा से कोई समझौता नहीं करेगी।दरअसल, यह पूरा विवाद बागी सांसद जगदीशचंद्र बासुनिया के उस बयान के बाद गहराया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि दुर्गा पूजा से पहले या बाद में 17 सांसद भाजपा में शामिल होने वाले हैं। बासुनिया का कहना था कि सांसदी रद्द होने और अयोग्यता की कार्रवाई से बचने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है।

मध्यप्रदेश की विद्युत क्षमता का तीस प्रतिशत क्लीन एनर्जी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने में बिजली कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की विद्युत क्षमता का 30 प्रतिशत क्लीन एनर्जी का है। मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा का भी सेंटर बन रहा है। विद्युत कंपनियों में वर्षों से लंबित पदोन्नति का रास्ता साफ करते हुए 9 हजार से अधिक अभियंताओं और कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई है। इससे हमारे कर्मचारियों में नया उत्साह और आगे बढ़ने का विश्वास पैदा हुआ है। विद्युत कंपनियों में लगभग 20 वर्षों से लंबित फ्रिज बेनिफिट का भी समाधान किया गया है। इसमें नाइट शिफ्ट अलाउंस, कन्वेंस अलाउंस, कंपनसेटरी अलाउंस सहित विभिन्न भत्तों को रिवाइज किया गया। इस निर्णय का लाभ लगभग 25 हजार अधिकारियों और कर्मचारियों को मिल रहा है। विद्युत कंपनियों के अभियंताओं की तीन वेतन विसंगतियों का भी समाधान किया गया है। लंबे समय से चली आ रही इस समस्या के समाधान से हमारे अभियंताओं को राहत मिली है। अधिकारी-कर्मचारियों के परिवार का स्वास्थ्य हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी दिशा में अभियंताओं और कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिक्लेम बीमा योजना लागू की गई है। साथ ही, मध्यप्रदेश की विद्युत कंपनियों में कंपनी कैडर के अभियंताओं, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सोलर रूफटॉप योजना भी लागू की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का ऊर्जा विभाग के अभियंता और कर्मचारियों द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह को

संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह का रविंद्र भवन में दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध पावर इंजिनियर्स एंड एम्पलाइज एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा कर्मचारी और अभियंताओं के हित में लिए गए निर्णयों के लिए उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियंता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बिजली विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के प्रयासों से ही मध्यप्रदेश बिजली गुल से बिजली फुल स्टेट बना है। हमारा मध्यप्रदेश बिजली सरप्लस स्टेट है, प्रदेश के पास 29 हजार मेगावाट की विशाल विद्युत क्षमता मौजूद है। मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा का भी सेंटर बन रहा है। प्रदेश की विद्युत क्षमता में 30 प्रतिशत हिस्सा क्लीन एनर्जी का है। दुबई में इन्वेस्ट एमपी कार्यक्रम में 53 हज़ार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले है, सबसे अधिक निवेश सौर ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में मिला है। प्रदेश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए सतपुड़ा ताप विद्युत गृह और अमरकंटक ताप विद्युत गृह नई विद्युत उत्पादन इकाई को मंजूरी दी गई है। बारह वर्षों में राज्य की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता 25 गुना से अधिक बढ़ी है। आज मध्यप्रदेश 11 हजार मेगावॉट से अधिक की क्षमता स्थापित कर चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में बिजली उत्पादन के लिए हर क्षेत्र में निवेश आ रहा है। प्रदेश में डेटा सेंटर और एआई सेंटर की स्थापना के बाद यह खपत और बढ़ेगी, लेकिन हमारा ऊर्जा विभाग पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में बिजली की पर्याप्त उपलब्धता का लाभ प्रदेश के किसानों को भी मिलेगा। किसानों को अगले सीजन से सिंचाई के लिए दिन में भी 10 घंटे बिजली मिलेगी। इससे किसानों के लिए सुविधा बढ़ेगी। नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश ने लंबी छलांग लगाई है। प्रदेश में विकास के ऐसे समीकरण बनें है, जिससे हम दिन दोगुनी और रात चौगुनी गति से आगे बढ़ेंगे।

बड़ा तालाब-कलियासोत डैम किनारे कब्जे, NGT में सुनवाई

भोपाल में 5 दिन चले सर्वे की रिपोर्ट दी; केरवा डैम के सर्वे और बहते पानी पर आपत्ति

भोपाल (आरएनएस)। एनजीटी में यह फोटो पेश किया गया। जिसमें बताया गया कि केरवा डैम से पानी बह रहा है। ऐसे में फुल टैंक लेवल तक पानी आ ही नहीं सकेगा।

एनजीटी में यह फोटो पेश किया गया। जिसमें बताया गया कि केरवा डैम से पानी बह रहा है। ऐसे में फुल टैंक लेवल तक पानी आ ही नहीं सकेगा। भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब और कलियासोत डैम की हद की रिपोर्ट मंगलवार को नेशनल ग्रीन ट्रूब्नल (NGT) में पेश की गई। एनजीटी के आदेश पर विशेष टीम ने 5 दिन तक सर्वे किया था। सुनवाई के दौरान पर्यावरणविद् डॉ. सुभाष सी. पांडे ने केरवा डैम का सर्वे नहीं करने और पानी बहाने को लेकर आपत्ति दर्ज कराई। कहा कि डैम का पानी फुल टैंक लेवल तक नहीं भरने की बात कही गई, लेकिन पास में पानी को बहाया जा रहा है। ऐसे में पानी फुल टैंक लेवल तक पहुंचेगा ही नहीं। पर्यावरणविद् डॉ. पांडे ने कुछ वीडियो और फोटो भी एनजीटी पीठ के समक्ष पेश किए। इस पर 15 दिन में पानी को बहने से रोकने के उपाय करने को कहा गया। जानकारी के अनुसार, टीम को केरवा डैम के आसपास भी सर्वे करना था, लेकिन डैम के स्त्रज्ञरु पर वर्तमान में पानी उपलब्ध नहीं था।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा के सख्त निर्देश, तत्काल बंद करें अवैध अहाते, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई

- उप मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी आबकारी अधिकारियों को दिये निर्देश

भोपाल (निप्र.) । मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने आबकारी विभाग के संभागीय उपायुक्तों को सख्त निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में तत्काल अवैध रूप से संचालित सभी अहाते बंद कराएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आबकारी नीति में अहातों को प्रतिबंधित किया गया है, इसके बावजूद यदि किसी जिले में दुकानों के आसपास बिना अनुमति मदिरा का सेवन कराया जा रहा है, तो संबंधित लाइसेंसधारियों के साथ संबद्ध अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाए। उप मुख्यमंत्री देवड़ा मंगलवार को आबकारी विभाग की समीक्षा बैठक में विभागीय कार्यों और आबकारी अपराधों की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सागर जिले की घटना अत्यंत दु:खद है और इसकी पुनरावृत्ति किसी भी स्थिति में नहीं होनी चाहिए। दोबारा ऐसी घटना होने पर जिम्मेदारों के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कियें जाकर कड़ी कानूनी कार्रवाई करेंगे। बैठक में प्रमुख सचिव अमित राठौर, आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना एवं सभी संभागीय उपायुक्त उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि अधिकारियों को पदोन्नति के साथ बड़ी जिम्मेदारी मिली है। अपेक्षा है कि सभी अधिकारी पूरी दक्षता, जवाबदेही और संवेदनशीलता के साथ विभागीय दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

अवैध शराब के उत्पादन से लेकर बिक्री तक पर करें सख्त निगरानी

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने अवैध मदिरा के उत्पादन, संग्रहण और विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के निर्देश देते हुए कहा कि सभी उत्पादन इकाइयों पर विशेष निगरानी रखी जाए। आदतन आबकारी अपराधियों पर कड़ी नजर रखते हुए आवश्यकता पड़ने पर आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किए जाएं। उन्होंने पुलिस विभाग के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करने तथा विभागीय सूचना तंत्र को मजबूत कर अधिक से अधिक सूचनाएं प्राप्त करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने मदिरा दुकानों पर निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर मदिरा विक्रय यानी ओवररेटिंग को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं से निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूलने की शिकायतों पर तत्काल जांच कर कार्रवाई करे। अवैध गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करने के लिए अविलंब टोल-फ्री नंबर जारी करने की कार्रवाई करें।

"सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार" से नागरिकों को मिलेगा शासकीय योजनाओं का लाभ

2 से 10 अक्टूबर तक विकासखंड एवं नगरीय निकायों में लगेंगे जनसेवा शिविर

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश में नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत 'सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार' का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश में यह अभियान 2 से 10 अक्टूबर 2026 तक संचालित होगा। अभियान में राजस्व विभाग द्वारा प्रदेश के प्रत्येक जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकासखंड स्तर पर और नगरीय निकायों में जनसेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसमें नगरीय विकास एवं आवास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और लोक सेवा प्रबंधन विभाग सहयोग करेंगे। इन शिविरों के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मौके पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।शिविरों में आवेदकों के पंजीयन से लेकर उनके आवेदनों के निराकरण एवं हितलाभ वितरण की जानकारी व्यवस्थित रूप से संधारित की जाएगी। साथ ही, नागरिकों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित आवश्यक जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया से अवगत हो सकें।सेवा सेतु अभियान के साथ जन-विश्वास अभियान को भी जोड़ा जाएगा। इसके माध्यम से नागरिकों तक शासन की योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी और उनका लाभ पहुंचाने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

मप्र के 548 स्टेशनों पर अभियान

भोपाल-निशातपुरा आउटर पर डंडा मार गिरोह के ठिकाने खत्म होंगे, ट्रैक किनारे झाड़ियां कटीं

भोपाल (आरएनएस)। ट्रेनों के गेट पर खड़े यात्रियों के हाथ पर डंडा मारकर मोबाइल-बैग गिराने वाले गिरोहों पर लगाम लगाने की कवायद शुरू हुई है। इनके छिपने के ठिकाने खत्म करने के लिए भोपाल रेलवे स्टेशन और निशातपुरा यार्ड के संवेदनशील आउटर पर झाड़ियां काटी जा रही हैं। यहां ट्रेन धीमी होते ही झाड़ियों में छिपे बदमाश यात्रियों पर हमला करते हैं। मोबाइल-बैग गिरते ही उठाकर अंधेरे और झाड़ियों की ओट में भाग जाते हैं।

मप्र जीआरपी के स्पेशल डीजी राजाबाबू सिंह ने सभी प्रभारियों को झाड़ियां कटवाने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद रेल मंडल के ट्रैक और सेक्शन इंजीनियर्स की मदद से कटाई शुरू हुई। अभियान प्रदेश के सभी 548 छोटे-बड़े रेलवे स्टेशनों के आउटर पर चल रहा है। इसमें जीआरपी के सभी 28 थाने, 20 पुलिस चौकियां और 25 सहायता केंद्र शामिल हैं।

धीमी रफ्तार का फायदा: आउटर पर सिग्नल नहीं मिलने या यार्ड में ट्रैक बदलते समय ट्रेनों की रफ्तार घटकर 10 से 20 किमी प्रति घंटा रह जाती है। बदमाश इसी समय यात्रियों को निशाना बनाते हैं।

अंधेरे और मोड़ पर घात: स्टेशन से कुछ दूरी पहले तीखे मोड़ों या झाड़ियों के पीछे बदमाश छिपे रहते हैं।

कलाई पर वार: गेट पर खड़ा यात्री फोन पर बात कर रहा हो तो बदमाश 6 से 8 फीट लंबे डंडे से उसकी कलाई पर वार करते हैं। अचानक वार से मोबाइल या बैग नीचे गिर जाता है। ट्रेन आगे निकलते ही बदमाश सामान उठाकर भाग जाते हैं।

झाड़ियां हटाने के साथ ये दो इंतजाम करना और जरूरी

ब्लाइंड मोड़ों पर रोशनी: आउटर के अंधेरे और तीखे मोड़ों पर हाईमास्ट या सोलर एलईडी लाइट लगाने से रात में संदिग्धों की गतिविधि देखना आसान होगा।

ट्रैक के दोनों ओर सफाई: जीआरपी प्रभारियों ने रेलवे के सेक्शन इंजीनियर्स के साथ मिलकर ट्रैक के दोनों तरफ 15 से 20 फीट तक झाड़ियां साफ कराना शुरू किया है। झाड़ियां हटने से गश्त कर रहे जवान दूर से संदिग्धों की गतिविधि देख सकेंगे। वहीं, बदमाशों को वारदात के बाद छिपने और भागने के लिए झाड़ियों की ओट नहीं मिलेगी।

भोपाल में ये तीन स्पॉट संवेदनशील

निशातपुरा यार्ड और लूप लाइन: यहां सिग्नल में देरी होती है। झाड़ियां होने से यह बदमाशों का पसंदीदा स्पॉट रहा है। छोला रेलवे क्रॉसिंग और आउटर: भोपाल स्टेशन आने वाली धीमी रफ्तार ट्रेनों को यहां निशाना बनाया जाता है। RKMP-मिसरोद सेक्शन: डंडे से मोबाइल गिराने की घटनाएं हो चुकी हैं।

चेन्नई में इंडिया टूरिज्म समिट 2026 में 'द बीटिंग हार्ट ऑफ इंडिया' के रूप में उभरी मध्यप्रदेश की पहचान

सचिव पर्यटन डॉ. इलैयाराजा टी. ने साझा किया मध्यप्रदेश के पर्यटन विकास का विजन

भोपाल (आरएनएस)। चेन्नई में इंडिया टूरिज्म समिट 2026 में मध्यप्रदेश पर्यटन ने अपनी समृद्ध प्राकृतिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक विरासत के साथ पर्यटन के नए क्षेत्रों और निवेश की संभावनाओं को देश-विदेश के पर्यटन उद्योग के प्रतिनिधियों के समक्ष प्रस्तुत किया। समिट के विशेष सत्र में सचिव पर्यटन एवं प्रबंध संचालक एमपी टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैयाराजा टी. ने. "The Beating Heart of India - Discovering a New World" विषय पर प्रदेश के पर्यटन विकास की दिशा और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से प्रेजेंटेशन के माध्यम से विचार साझा किए। समिट में मध्यप्रदेश पर्यटन की कॉर्पोरेट फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। गोल्ड पार्टनरशिप के तहत कार्यक्रम में शामिल अतिथियों के लिए मध्यप्रदेश के पारंपरिक एवं स्थानीय व्यंजनों की विशेष व्यवस्था की गई, जिससे प्रतिभागियों को प्रदेश की

सांस्कृतिक विरासत के साथ उसके प्रामाणिक स्थानीय स्वाद का अनुभव भी मिला।

डॉ. इलैयाराजा ने कहा कि मध्यप्रदेश अब पर्यटन की पारंपरिक परिभाषा से आगे बढ़कर एक व्यापक टूरिज्म इकोसिस्टम विकसित कर रहा है, जहां विरासत के साथ आतिथ्य, प्रकृति के साथ रोमांच, आध्यात्मिकता के साथ संस्कृति और व्यवसाय के साथ अनुभवात्मक यात्रा को जोड़ा जा रहा है। प्रदेश में वाइल्डलाइफ, ईको, ग्रामीण, हेरिटेज, सांस्कृतिक एवं जनजातीय, वेलनेस, एडवेंचर, मेडिकल, गोल्फ और अनुभव आधारित पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश का उद्देश्य केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि नए गंतव्यों का विकास, पर्यटक अनुभवों को बेहतर बनाना, स्थानीय आर्थिक अवसरों का सृजन और सतत एवं समावेशी पर्यटन व्यवस्था तैयार करना है। मध्यप्रदेश अब केवल एक पर्यटन गंतव्य नहीं, बल्कि यात्रियों, कॉरपोरेट लीडर्स, इवेंट प्लानर्स और निवेशकों के लिए नए अवसरों वाला राज्य है। 'द बीटिंग हार्ट ऑफ इंडिया' के रूप में मध्यप्रदेश देश की विविधता को अनुभव, निवेश और अवसरों से जोड़ते हुए, दुनिया की मेजबानी के लिए तैयार है।

एडवेंचर और एक्सपीरिएंशियल टूरिज्म के नए आयाम

मध्यप्रदेश को ऐसे गंतव्य के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां पर्यटक केवल स्थलों को देखें नहीं, बल्कि उन्हें अनुभव भी करें। फॉर्सिथ ट्रेक, पेंच मोगली ट्रेक, तवा-मढ़ई साइकिलिंग, पचमढ़ी मानसून मैराथन, ओरछा में बेतवा रिवर राफ्टिंग और पेंच मोनोलिथ्स ट्रेल जैसे अनुभव प्रदेश के पर्यटन उत्पादों में विविधता जोड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने अभियंता दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में राज्य स्तरीय समारोह में सेवानिवृत्त अधिकारियों को सम्मानित किया।

मंत्री सुश्री भूरिया ने शक्ति सदन और मिशन वात्सल्य अनुदान ई-पोर्टल का किया शुभारंभ

रियल टाइम मॉनिटरिंग और डेटा आधारित निर्णय होंगे आसान

भोपाल । महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने मंगलवार को मंत्रालय में मिशन शक्ति के शक्ति सदन और मिशन वात्सल्य की अशासकीय बाल देखरेख संस्थाओं के लिए अनुदान ई-पोर्टल का शुभारंभ किया। सरकार ने प्रदेश में इन संस्थाओं को अनुदान देने की अब तक चली आ रही मैनुअल प्रक्रिया को डिजिटल व्यवस्था में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। आवेदन, दस्तावेज अपलोड, प्रस्ताव परीक्षण, स्वीकृति, भुगतान और प्रगति की निगरानी सहित पूरी प्रक्रिया एक ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर होगी।ऑनलाइन पोर्टल से अनुदान प्रस्तावों की प्रक्रिया को ट्रैक किया जा सकेगा। संस्थाओं को बार-बार दस्तावेज और प्रस्ताव लेकर विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम होगी। प्रस्तावों के परीक्षण और स्वीकृति की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी तथा भुगतान में लगने वाले समय को न्यूनतम करने में मदद मिलेगी। रियल टाइम मॉनिटरिंग से यह भी पता रहेगा कि किस संस्था का प्रस्ताव किस स्तर पर है। पोर्टल के लागू होने से अनुदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा कागजी कार्यवाही कम होगी। डिजिटल रिकॉर्ड के कारण दस्तावेजों के संधारण और प्रस्तावों की निगरानी अधिक व्यवस्थित तरीके से की जा सकेगी।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

भोपाल (आरएनएस)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में एडीएम सुमित पांडेय ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 120 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। एडीएम श्री पांडेय ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की कलेक्टर श्री मिश्रा ने की समीक्षा

भोपाल (आरएनएस)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान-2026' की जिला स्तरीय कार्ययोजना की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। अभियान के अंतर्गत 13 प्रमुख राष्ट्रीय गतिविधियों के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण से संबंधित 25 सेवा गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कलेक्टर श्री मिश्रा ने बताया कि अभियान का प्रमुख कार्यक्रम 'आशीर्वाद का दीया' 17 सितंबर को आयोजित होगा। इसके अंतर्गत भोपाल नगर निगम क्षेत्र में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित प्रमुख नदी घाटों, मंदिरों, बांधों, जलशोधन संयंत्रों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के आवासों पर भी दीप प्रज्वलन किया जाएगा। उन्होंने नगर निगम, जिला पंचायत, जल संसाधन तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।'

मलेरिया एवं डेंगू नियंत्रण हेतु शहरी क्षेत्र उज्जैन में सघन लार्वा सर्वे, मैदानी अमले ने किया घर-घर निरीक्षण

उज्जैन,(आरएनएस)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में मलेरिया एवं डेंगू रोग नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए 15 सितंबर 2026 को शहरी क्षेत्र उज्जैन में स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले द्वारा सघन लार्वा सर्वे अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं मैदानी अमले द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में घर-घर पहुंचकर मच्छरों के प्रजनन स्थलों की जांच की गई तथा नागरिकों को मलेरिया एवं डेंगू से बचाव के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई।लार्वा सर्वे के दौरान घरों, प्रतिष्ठानों एवं आसपास के क्षेत्रों में कूलर, पानी की टंकियों, गमलों, पुराने टायरों, डिब्बों, पात्रों, छतों एवं अन्य स्थानों पर जमा पानी की जांच की गई। जहां भी पानी जमा पाया गया, वहां उसे खाली करवाने, पात्रों की नियमित सफाई करने तथा पानी को ढंककर रखने के लिए नागरिकों को समझाइश दी गई। मच्छरों के लार्वा पाए जाने वाले स्थानों पर नियमानुसार आवश्यक नियंत्रणात्मक कार्रवाई भी की गई। सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घर एवं आसपास पानी जमा न होने दें। सप्ताह में कम से कम एक दिन कूलर एवं पानी रखने वाले पात्रों को खाली कर अच्छी तरह साफ करें। पानी की टंकियों एवं अन्य जल पात्रों को हमेशा ढंककर रखें। घर के आसपास पुराने टायरों, टूटे-फूटे बर्तन, डिब्बों एवं अन्य अनुपयोगी सामग्री में वर्षा का पानी जमा न होने दें। जिला मलेरिया अधिकारी श्री डी. एस. सिसोदिया द्वारा बताया गया कि मलेरिया एवं डेंगू की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर निगरानी, लार्वा सर्वे, जन-जागरूकता एवं मच्छर नियंत्रण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। मैदानी अमले को निर्देशित किया गया है कि वे संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर लार्वा स्रोतों की पहचान करें तथा नागरिकों को मच्छरजनित रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करें। बुखार आने पर इसे सामान्य न समझें और तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर चिकित्सकीय जांच एवं उपचार करवाएं। मलेरिया एवं डेंगू की समय पर पहचान और उपचार से गंभीर स्थिति से बचाव किया जा सकता है।

जबलपुर में हरतालिका तीज पर सहेली के घर पूजा करने गई थी, पति ने फंदे से लटककर दे दी जान

जबलपुर(आरएनएस)। संजीवनी नगर थाना क्षेत्र के परसवाड़ा में सोमवार रात एक व्यक्ति ने घर में फंदे से लटककर जान दे दी। घटना के समय उसकी पत्नी तीज के पूजन के लिए सहेली के घर गई थी। देर रात जब वह वापस लौटी तो पति को फंदे पर लटका देख उसके होश उड़ गए। आसपास के लोगों की मदद से उसे नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मंगलवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार परसवाड़ा निवासी कमलेश झारिया (40) हार्डवेयर की दुकान में काम करते थे। वह पत्नी वर्षा और दो बेटों के साथ रहते थे। सोमवार को वर्षा तीज का उपवास रखी थी। रात करीब साढ़े आठ बजे वह पूजन के लिए अपनी सहेली सुलोचना के घर गई थी।

कलेक्टर श्री सिंह के मार्गदर्शन में सीईओ जिला पंचायत श्री कूमट द्वारा विभिन्न आवेदनों पर जनसुनवाई की गई

उज्जैन,(आरएनएस)। मंगलवार को कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूमट द्वारा कलेक्टर कार्यालय सभागृह में विभिन्न आवेदनों पर जनसुनवाई की गई। झारडा निवासी भरतलाल ने आवेदन दिया कि उनके स्वामित्व की कृषि भूमि के खसरे में सुधार करवाया जाना है। इस पर एसडीएम महिदपुर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। महिदपुर निवासी अशोक कुमार पोरवाल एवं अन्य ने आवेदन दिया कि वे महिदपुर में स्थित एक कॉलोनी में रहते है।

उक्त कॉलोनी वर्ष 2003 से बसी हुई है तथा वर्तमान में यहां 60 से अधिक मकान और परिवार निवासरत हैं। इसके बावजूद आज दिनांक तक कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं जैसे सड़क, सीवरलाईन,लाईट, पानी की निकासी और घरेलु पानी की सप्लाय पाईपलाईन उपलब्ध नहीं है। इस वजह से स्थानीय लोगों को बहुत परेशानी हो रही है। इस पर ऑफिसर इंचार्ज कॉलोनी सेल गठन को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। उज्जैन निवासी राधेश्याम ने आवेदन दिया कि ग्राम के सुनी में उनके द्वारा कृषि भूमि कृय की गई

जहरीली शराब कांड में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 30 हजार के इनामी आरोपी का हाफ एनकाउंटर, मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

सागर (आरएनएस)। पुलिस ने रविवार, 13 सितंबर 2026 को तड़के हुई गोलीबारी के बाद बांदा में नकली शराब मामले के वांछित आरोपी शिवांजय राजपूत को गिरफ्तार कर लिया।

राजपूत, जिसकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने पर 30,000 का इनाम घोषित था। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार बहरोल पुलिस स्टेशन को सूचना मिली थी कि राजपूत के मडैया के पास के जंगली इलाके से निकलकर बांदा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत छपरी स्थित अपने घर की ओर जाने की संभावना है। यह जानकारी तुरंत सागर पुलिस कंट्रोल रूम और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साझा की गई। हाल ही में जहरीली शराब पीने से हुई 11 मौत के बाद डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने सागर मेडिकल कॉलेज का दौरा किया था।सागर के पुलिस अधीक्षक के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए, बांदरी एसएचओ सतेंद्र सिंह उस स्थान के लिए रवाना हुए। बहरोल एसएचओ धर्मेंद्र सिंह और पड़ोसी थानों की पुलिस टीमें भी इस अभियान में शामिल हुईं।

पन्ना की रुंज नदी में फिर उमड़ी हीरे की तलाश करने वालों की भीड़, दूसरे जिलों से भी पहुंच रहे लोग

पन्ना(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में एक बार फिर हीरे की चमक लोगों को अपनी ओर खींच रही है। जिले की रुंज नदी में इन दिनों बड़ी संख्या में लोग हीरे की तलाश में पहुंच रहे हैं। नदी के आसपास का इलाका अचानक लोगों की आवाजाही से गुलजार हो गया है। खास बात यह है कि सिर्फ पन्ना ही नहीं, बल्कि आसपास के दूसरे जिलों से भी लोग यहां किस्मत आजमाने पहुंच रहे हैं। लोग नदी के किनारे मिट्टी और कंकड़-पत्थरों को खंगालते नजर आ रहे हैं। कुछ लोग पानी के भीतर उतरकर भी संभावित हीरे की तलाश कर रहे हैं। सुबह से ही नदी के आसपास लोगों की मौजूदगी देखी जा रही है। हर किसी की उम्मीद यही है कि मेहनत के बीच उन्हें कोई ऐसा पत्थर मिल जाए, जिसकी कीमत उनकी जिंदगी बदल दे।

वन विभाग की रोक के बावजूद जारी तलाश

रुंज नदी में लोगों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। टीम ने नदी क्षेत्र में हीरे की तलाश कर रहे लोगों को रोकने की कोशिश की और उन्हें वहां से हटने के लिए कहा। हालांकि, विभाग की कोशिशों के बावजूद नदी में हीरे तलाशने का काम पूरी तरह बंद नहीं हुआ। इस स्थिति ने प्रशासन की निगरानी और कार्रवाई को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। वन विभाग की ओर से रोक लगाए जाने के बाद भी अगर बड़ी संख्या में लोग नदी तक पहुंच रहे हैं, तो सवाल है कि इस गतिविधि पर प्रभावी नियंत्रण क्यों नहीं हो पा रहा है।पन्ना लंबे समय से हीरा खनन के लिए देशभर में अपनी अलग पहचान रखता है। यहां समय-समय पर ऐसे मामले सामने आते रहे हैं, जब साधारण परिवारों से जुड़े लोगों को खुदाई या खनन के दौरान बेशकीमती हीरे मिले और उनकी आर्थिक स्थिति अचानक बदल गई। यही वजह है कि पन्ना में हीरा मिलने की कोई भी खबर लोगों के बीच तुरंत उम्मीद पैदा कर देती है। मेहनत के साथ किस्मत का साथ मिलने की आस में लोग नदी और खनन क्षेत्रों तक पहुंच जाते हैं। रुंज नदी में दिखाई दे रही भीड़ भी इसी उम्मीद की कहानी बयां कर रही है।

व्यापार समाचार

हर मिनट डूबे 2727 करोड़, 330 मिनट में 9 लाख करोड़ स्वाहा; शेयर बाजार में हाहाकार

मुंबई (आरएनएस)। भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह के पहले ही कारोबारी सत्र में भारी बिकवाली का तूफान देखने को मिला, जिसने घरेलू निवेशकों की कमर तोड़ दी। शुरुआती हरे निशान के बाद बाजार में चौतरफा बिकवाली हावी हो गई और दिन के पीक से सेंसेक्स करीब 1300 अंक तक फिसल गया। इस भयानक गिरावट से महज 330 मिनट के भीतर निवेशकों के 9.13 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डूब गए। यानी बाजार में प्रति मिनट निवेशकों को औसतन 2,727 करोड़ का तगड़ा नुकसान उठाना पड़ा।

दिन के ऊपरी स्तर से औंधे मुंह गिरे सेंसेक्स और निफ्टी

कारोबार के शुरुआती 45 मिनट में बाजार मजबूती के साथ हरे निशान में था। इस दौरान सेंसेक्स 75,369.63 के स्तर तक पहुंचा, जबकि निफ्टी ने 23,592.85 का इंट्रा-डे हाई बनाया। हालांकि, सुबह 10 बजे के बाद जैसे ही वैश्विक तनाव और आर्थिक दबाव के संकेत मिले, बाजार ताश के पत्तों की तरह बिखरने लगा। सेंसेक्स अपने दिन के उच्चतम स्तर से 1,289.16 अंक टूटकर 74,080.47 के निचले स्तर तक पहुंच गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी दिन के पीक से 417.85 अंक फिसलकर 23,175 के स्तर तक लुढ़क गया।

मार्केट कैप में 9.13 लाख करोड़ की सीधी चपत

शेयर बाजार में मचे इस कोहराम का सीधा असर बीएसई (BSE) के कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन पर पड़ा। कारोबारी सत्र की शुरुआत में बीएसई का कुल मार्केट कैप 4,81,92,523.08 करोड़ था, जो दिन के निचले स्तर पर गिरकर 4,72,79,214.41 करोड़ पर आ गया। इस तरह निवेशकों की संपत्ति से देखते ही देखते 9,13,308.67 करोड़ का सफाया हो गया। अपने लाइफटाइम हाई से सेंसेक्स अब 12,000 से अधिक अंक नीचे फिसल चुका है।

कच्चे तेल में भारी उबाल और मिडिल ईस्ट का तनाव

बाजार में आई इस सुनामी के पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें सबसे बड़ा कारण रहीं। मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक संकट और सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर हमलों से सप्लाई बाधित होने का खतरा गहरा गया है। इसके चलते ब्रेंट क्रूड 2 फीसदी उछलकर 108 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 104 डॉलर के करीब पहुंच गया। तेल के महंगे होने से महंगाई का दबाव दोबारा बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड 2023 के बाद पहली बार 5 प्रतिशत के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गई है। बॉन्ड यील्ड बढ़ने से वैश्विक फंड्स शेयर बाजार से पैसा निकालकर डेट मार्केट की ओर लगाने लगे हैं। वहीं, अमेरिका में महंगाई दर लक्ष्य से ऊपर रहने के कारण यह आशंका और गहरी हो गई है कि यूएस फेडरल रिजर्व आगामी बैठक में ब्याज दरें बढ़ा सकता है और दरों को लंबे समय तक ऊंचा रख सकता है।

सुबह ईमेल भेज शाम को खत्म कर दी नौकरी, AI पर अरबों लुटा रही ओरेकल में फिर शुरू हुई छंटनी; कर्मचारियों में हड़कंप

सैन फ्रांसिस्को (आरएनएस)। दिग्गज अमेरिकी टेक कंपनी ओरेकल (Oracle) में एक बार फिर बड़े पैमाने पर छंटनी का दौर शुरू हो गया है। कंपनी ने सोमवार की सुबह कर्मचारियों को अचानक एक ईमेल भेजा, जिसमें संगठन में व्यापक बदलाव का हवाला देते हुए उनकी भूमिका खत्म करने की सूचना दी गई। कर्मचारियों के लिए सबसे बड़ा झटका यह रहा कि जिस दिन उन्हें नौकरी जाने का ईमेल मिला, वही दिन दफ्तर में उनका आखिरी कार्यदिवस भी तय कर दिया गया। बिना किसी पूर्व नोटिस के अचानक हुई इस कार्रवाई से कर्मचारियों में भारी रोष और निराशा है।

बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार, अचानक नौकरी गंवाने वाले प्रभावित कर्मचारियों ने लिंक्डइन, रेडिट और ब्लाइंड जैसे पेशेवर प्लेटफॉर्म्स पर पोस्ट लिखकर अपना दर्द बयां किया है। कर्मचारियों का कहना है कि सुबह-सुबह इनबॉक्स में आए एक ईमेल ने उनके करियर पर ब्रेक लगा दिया। हालांकि, ओरेकल ने अभी तक आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं किया है कि छंटनी के इस ताजा दौर में कुल कितने कर्मचारियों पर गाज गिरी है। इस कटौती की आशंका पिछले महीने से ही जताई जा रही थी, जिस पर अब कंपनी ने अमल शुरू कर दिया है।

ओरेकल में कर्मचारियों की कटौती का यह कोई पहला मामला नहीं है। वित्त वर्ष 2026 के दौरान कंपनी अपने कार्यबल में करीब 21,000 कर्मचारियों की कमी कर चुकी है, जो उसके कुल कर्मचारियों का लगभग 13 प्रतिशत हिस्सा है। 31 मई को समाप्त हुए वित्त वर्ष के अंत तक ओरेकल में करीब 1.41 लाख कर्मचारी बचे थे, जबकि ठीक एक साल पहले यह संख्या 1.62 लाख के आसपास थी। अब नए सिरे से शुरू हुई छंटनी ने मौजूदा कर्मचारियों की चिंताएं और बढ़ा दी हैं।कंपनी का यह फैसला एक बड़े विरोधाभास को जन्म दे रहा है।

गोरा होने के चक्कर में न गंवा बैठें सेहत, पाकिस्तान की 2 ब्यूटी क्रीम पर भारत में सख्त बैन

नई दिल्ली (ए.)। खूबसूरत और गोरा दिखने की चाहत में बिना जांचे-परखे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना जानलेवा साबित हो सकता है। भारत की शीर्ष दवा नियामक संस्था सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (CDSCO) ने पाकिस्तान से ताल्लुक रखने वाली दो बेहद लोकप्रिय कॉस्मेटिक क्रीमों को लेकर देशव्यापी चेतावनी जारी की है। नियामक ने 'गोरी ब्यूटी क्रीम' (Goree Beauty Cream) और 'चांदनी वाइटनिंग क्रीम' (Chandni Whitening Cream) के इस्तेमाल को इंसानी सेहत के लिए पूरी तरह असुरक्षित घोषित करते हुए आम जनता को इनसे दूर रहने की सख्त हिदायत दी है।

बिना मंजूरी भारतीय बाजार में एंट्री, भारी मात्रा में मिले जहरीले तत्व

सीडीएससीओ द्वारा जारी सार्वजनिक नोटिस के अनुसार, इन दोनों पाकिस्तानी क्रीमों को भारत में आयात करने या बेचने के लिए सरकार की ओर से कोई वैध रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जारी नहीं किया गया है। ये उत्पाद पूरी तरह गैरकानूनी ढंग से देश में खपाए जा रहे थे। सबसे चिंताजनक बात यह है कि सरकारी लैब जांच में इन क्रीमों के भीतर 'हेवी मेटल्स' (भारी धातुओं) की मात्रा तय सीमा से कहीं ज्यादा पाई गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ये जहरीले रसायन न सिर्फ त्वचा को झुलसा सकते हैं, बल्कि त्वचा के जरिए शरीर के भीतर पहुंचकर किडनी, लिवर और नर्वस सिस्टम को भी गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। लाहौर की 'गोरी कॉस्मेटिक्स' और 'एसजे एंटरप्राइजेज' द्वारा बनाई जा रही इन क्रीमों पर ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) ने पहले से ही निगरानी बढ़ा रखी थी। सरकारी पाबंदी के बावजूद यह खतरनाक उत्पाद अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो और टाटा 1द्वद्द जैसे बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए घर-घर पहुंच रहे थे। चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि ऑनलाइन सेलर्स ने सिस्टम को चकमा देने के लिए इन पाकिस्तानी क्रीमों को 'मेड इन इंडिया' बताकर लिस्ट कर रखा था।

खाते में आया फ्रॉड का पैसा तो तुरंत नहीं निकाल पाएंगे, RBI ला रहा सख्त नियम

मुंबई (आरएनएस)। देश में तेजी से पैर पसार रहे साइबर फ्रॉड और मनी म्यूल खातों के जाल पर नकेल कसने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने बेहद कड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय बैंक ने बैंकों में संदिग्ध या फर्जी लेन-देन को तुरंत रोकने के उद्देश्य से नए नियमों का मसौदा (ड्राफ्ट) जारी किया है। इसके तहत अगर किसी बैंक खाते में संदिग्ध गतिविधि या साइबर ठगी से जुड़ी रकम आती है, तो बैंक उस पैसे की निकासी पर तुरंत अस्थायी रोक यानी 'डेबिट होल्ड' (Debit Hold) लगा सकेगा। इससे ठगी की रकम को तुरंत निकाले जाने या दूसरे खातों में डायवर्ट किए जाने पर प्रभावी रोक लगेगी।आरबीआई के प्रस्तावित दिशा-निर्देशों के अनुसार, यदि बैंक के ऑटोमेटेड या एआई-बेस्ड मॉनिटरिंग सिस्टम को 1,000 या उससे ज्यादा का कोई ट्रांजैक्शन असामान्य या संदिग्ध लगता है, तो बैंक उस राशि पर डेबिट होल्ड लगा देगा। बैंक इस कार्रवाई की तुरंत सूचना खाताधारक को डिजिटल या अन्य माध्यम से देगा। साथ ही ग्राहक से यह पूछा जाएगा कि यह रकम खाते में किस स्रोत या वजह से आई है। जब तक स्थिति स्पष्ट नहीं होती, ग्राहक उस रकम को न तो एटीएम या शाखा से निकाल सकेगा और न ही किसी अन्य खाते में ट्रांसफर कर पाएगा।ड्राफ्ट नियमों में ग्राहकों के अधिकारों और हितों का भी पूरा ध्यान रखा गया है ताकि किसी वैध खाताधारक को परेशानी न हो। डेबिट होल्ड लगाए जाने के बाद ग्राहक को 20 दिनों का पर्याप्त समय दिया जाएगा ताकि वह अपने लेन-देन की सत्यता और फंड का वैध सोर्स साबित करने वाले दस्तावेज पेश कर सके। ग्राहक की ओर से जवाब मिलते ही बैंक को अगले 10 दिनों के भीतर अपनी जांच पूरी कर फैसला सुनाना होगा। यदि बैंक ग्राहक के स्पष्टीकरण से संतुष्ट हो जाता है, तो रकम से डेबिट होल्ड तुरंत हटा लिया जाएगा। वहीं, यदि ग्राहक 20 दिनों तक कोई जवाब नहीं देता, तो बैंक को होल्ड की तारीख से 30 दिनों के भीतर आगे की कार्रवाई तय करनी होगी।जांच के दौरान यदि बैंक को लेन-देन के पीछे गंभीर साइबर अपराध या मनी म्यूल रैकेट का अंदेशा होता है, तो वह मामले को तुरंत संबंधित पुलिस या साइबर क्राइम जांच एजेंसी के पास भेजेगा। जांच एजेंसी की ओर से निर्देश मिलने पर बैंक उसी के अनुसार कार्रवाई आगे बढ़ाएगा। यदि एजेंसी से 30 दिनों के भीतर कोई विशेष आदेश नहीं आता, तो 31वें दिन यह रोक हट जाएगी।

GEN-Z को नहीं चाहिए प्रमोशन का तनाव, बॉस बनने से कर रहे इनकार

बीजिंग (ए.)। कॉर्पोरेट जगत में पदोन्नति और करियर की सीढ़ियां चढ़ना हमेशा से तरक्की का पैमाना माना जाता रहा है, लेकिन आज की युवा पीढ़ी यानी Gen-Z ने इस सोच को पूरी तरह बदल कर रख दिया है। चीन में बड़ी संख्या में युवा कर्मचारी प्रमोशन मिलने पर जश्न मनाने के बजाय उसे सीधे तौर पर ठुकरा रहे हैं। युवाओं का मानना है कि प्रमोशन के साथ जो अत्यधिक मानसिक तनाव, घंटों का अतिरिक्त काम और जवाबदेही आती है, वह उनके मानसिक सुकून से बढ़कर नहीं है। कॉर्पोरेट दुनिया में युवाओं की इस बदलती जीवनशैली और सोच को 'कॉन्शियस अनबॉक्सिंग' का नाम दिया जा रहा है।इस ट्रेंड की बानगी 'जून' नाम की एक चीनी युवती के मामले में देखने को मिलती है, जिसने अब तक तीन बार प्रमोशन के ऑफर को ठुकरा दिया। एक बार तो उन्होंने नई जिम्मेदारी लेने के बजाय अपनी नौकरी से छुट्टी लेकर घूमने निकलना बेहतर समझा। इसके बाद जब एक एजुकेशन कंपनी में उन्हें ट्रेनिंग सेंटर का लीड बनाया गया, तो काम का दबाव और तनाव इतना ज्यादा बढ़ गया कि उन्होंने महज दो हफ्ते के भीतर पद छोड़कर अपनी पुरानी पोस्ट पर लौटने का फैसला कर लिया।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज

नेपाल की त्रासदी का संदेश है कि प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुरक्षा की बलि देना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना संभव नहीं रह जाएगा।

ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं, यह चर्चा दशकों पुरानी हो चुकी है। इसके क्या घातक परिणाम होंगे, इसको लेकर वैज्ञानिक चेतावनियां भी आम चर्चा में रही हैं। कई दिन की जांच-पड़ताल के बाद अब यह साफ है कि नेपाल में 26 अगस्त को जो हुआ, वह उन चेतावनियों का ही साकार रूप लेना था। इसीलिए उस रोज हुई ग्लेशियर टूटने की घटना को महज प्राकृतिक आपदा के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। स्पष्टत: यह हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन के हुए प्रभाव का परिणाम है। इसलिए यह एक गंभीर चेतावनी है। इसे ध्यान में रखना चाहिए कि ग्लेशियल झील के फटने से आने वाली बाढ़ जैसी त्रासदियां अनहोनी का हो जाना भर नहीं हैं। बल्कि ये इनसान की अ-दूरदर्शिता का सीधा परिणाम हैं।26 अगस्त को नेपाल-चीन सीमा के पास लांगटांग लिरुंग क्षेत्र में एक विशाल ग्लेशियर अचानक खिसक गया। यह घटना लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई पर हुई। ग्लेशियर टूट कर लगभग 1,200 मीटर नीचे स्थित घाटी में गिरा। उसके प्रभाव से तीव्र घर्षण पैदा हुआ और अत्यधिक बर्फ पिघलकर गारे और चट्टानों के साथ बह निकली। यह घटना बताती है कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हर पल मॉनिटरिंग और उपग्रह आधारित निगरानी की कितनी कमी है। समय पर हिमनद झील के बढ़ते जलस्तर का आकलन कर निचले इलाकों के लिए चेतावनी जारी कर दी जाती, तो जान-माल के नुकसान को सीमित किया जा सकता था। यह भी गौरतलब है कि हिमालय जैसे पारिस्थिकीय नजरिए से नाजुक क्षेत्र में बिना ठोस पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन किए पनबिजली परियोजनाओं, सड़कों, और सुरंगों का अंधाधुंध निर्माण किया जा रहा है। इससे ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने का जोखिम कई गुना बढ़ा है।उधर बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण हिमनद तेजी से पिघलकर खतरनाक झीलों का रूप ले रहे हैं। कुल मिलाकर इस त्रासदी का संदेश है कि प्रकृति के तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुरक्षा की बलि देना और जलवायु परिवर्तन संबंधी चेतावनियों को नजरअंदाज करना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना अब संभव नहीं रह गया है।

ब्रिक्स सम्मेलन संघर्षों के बीच संवाद की डिप्लोमेसी।

संजीव ठाकुर,

नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स के 18वें सम्मेलन में भारत की कूटनीति की एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि उसने संघर्षों के बीच संवाद की संभावना को जीवित रखा। भारत ने ब्रिक्स को किसी देश के विरुद्ध मोर्चा बनाने के बजाय विकास, आर्थिक सहयोग, तकनीक, ऊर्जा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और वैश्विक संस्थाओं में सुधार का मंच बनाए रखने पर जोर दिया। भारत के लिए यह भूमिका इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह एक ओर अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग करता है, दूसरी ओर रूस और चीन के साथ ब्रिक्स तथा अन्य बहुपक्षीय संस्थाओं में संवाद बनाए रखता है। यह संतुलन भारतीय विदेश नीति की परिपक्वता को दर्शाता है।

ब्रिक्स का आर्थिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। यदि सदस्य देश आपसी व्यापार को अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में बढ़ाते हैं, सीमा-पार डिजिटल भुगतान प्रणालियों को जोड़ते हैं और वित्तीय सहयोग के नए रास्ते विकसित करते हैं, तो भविष्य में डॉलर पर कुछ क्षेत्रों की निर्भरता कम हो सकती है। लेकिन यहां भी अतिशयोक्ति से बचना चाहिए। निकट भविष्य में डॉलर को समाप्त कर देना या उसकी जगह किसी एक ब्रिक्स मुद्रा को स्थापित कर देना व्यावहारिक लक्ष्य नहीं है। ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाओं, वित्तीय नीतियों और राजनीतिक प्राथमिकताओं में बहुत अंतर है। इसलिए वास्तविक संभावना किसी एक नई वैश्विक मुद्रा से अधिक भुगतान प्रणालियों के विविधीकरण और राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की है।

ऊर्जा के क्षेत्र में भी ब्रिक्स का महत्व तेजी से बढ़ा है। रूस, सऊदी अरब, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों की उपस्थिति ऊर्जा सुरक्षा के प्रश्न को संगठन के केंद्र में ला देती है। पश्चिम एशिया में संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर तनाव का सीधा प्रभाव दुनिया की तेल कीमतों, महंगाई और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पड़ता है। 2026 के सम्मेलन के समय भी पश्चिम एशिया का संघर्ष वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए गंभीर चिंता का विषय बना रहा।

तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी आने वाले वर्षों में ब्रिक्स की शक्ति का नया आधार बन सकती है। भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, चीन की विनिर्माण और तकनीकी क्षमता, रूस की

वैज्ञानिक-तकनीकी विशेषज्ञता, खाड़ी देशों की पूंजी और ऊर्जा संसाधन तथा ब्राजील और अफ्रीकी देशों के विशाल बाजार मिलकर सहयोग का नया मॉडल बना सकते हैं। यदि ब्रिक्स अपने भीतर तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, हरित ऊर्जा और डिजिटल भुगतान में ठोस सहयोग विकसित करता है तो उसका प्रभाव केवल कूटनीति तक सीमित नहीं रहेगा।

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में विश्व व्यवस्था जिस तेजी से बदल रही है, उसमें ब्रिक्स का विस्तार और उसकी बढ़ती भूमिका केवल एक आर्थिक संगठन के विस्तार की कहानी नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शक्ति-संतुलन में हो रहे मौलिक परिवर्तन का संकेत भी है। भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने इस बदलती विश्व व्यवस्था को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया है। आज ब्रिक्स केवल ब्राजील, रूस, भारत और चीन से बना पुराना समूह नहीं रहा। इसमें दक्षिण अफ्रीका के बाद मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश जुड़ चुके हैं। वर्तमान 11 सदस्यीय समूह विश्व की लगभग 49.5 प्रतिशत आबादी, लगभग 40 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी और करीब 26 प्रतिशत वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करता है।

इसलिए यह स्वाभाविक है कि ब्रिक्स सम्मेलन को अब केवल विकासशील देशों की बैठक मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसके आर्थिक आकार, ऊर्जा संसाधनों, विशाल बाजार, युवा आबादी, प्राकृतिक संसाधनों और सामरिक स्थिति ने इसे वैश्विक राजनीति का एक प्रभावशाली मंच बना दिया है। विशेष रूप से भारत, चीन और रूस जैसे बड़े देशों के साथ ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे ऊर्जा-संपन्न देशों की उपस्थिति ब्रिक्स को आर्थिक ही नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाती है। जनवरी 2024 से हुए विस्तार और जनवरी 2025 में इंडोनेशिया के पूर्ण सदस्य बनने के बाद संगठन की भौगोलिक और आर्थिक पहुंच कहीं अधिक व्यापक हो गई है।

ब्रिक्स की सबसे बड़ी शक्ति उसकी जनसंख्या और बाजार में निहित है। भारत और चीन अकेले ही विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाले दो देश हैं। इनके साथ इंडोनेशिया, ब्राजील, रूस, ईरान, मिस्र, इथियोपिया और अन्य सदस्य देशों को जोड़ दें तो विश्व की लगभग आधी मानव आबादी इस मंच से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ जाती है। यह संख्या केवल आंकड़ा नहीं है; यह उपभोक्ता बाजार, श्रमशक्ति, उत्पादन क्षमता, ऊर्जा मांग, तकनीकी विकास और भविष्य की आर्थिक संभावनाओं का विशाल आधार है। यही कारण है कि ब्रिक्स को ग्लोबल साउथ की आवाज के रूप में अधिक गंभीरता से देखा जा रहा है। भारत सरकार के अनुसार ब्रिक्स अब वैश्विक शासन व्यवस्था में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के हितों को समन्वित करने वाला महत्वपूर्ण मंच बन चुका है।

यहीं से पश्चिमी देशों की बेचैनी को समझने की आवश्यकता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया या कनाडा ब्रिक्स के कारण किसी तत्काल आर्थिक संकट में हैं, लेकिन यह जरूर है कि विश्व अर्थव्यवस्था और वैश्विक संस्थाओं पर लंबे समय से स्थापित पश्चिमी प्रभाव को चुनौती देने वाली एक वैकल्पिक सामूहिक शक्ति उभर रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, वैश्विक भुगतान प्रणाली, डॉलर की केंद्रीय भूमिका और पश्चिमी देशों के नेतृत्व वाली वित्तीय संस्थाओं में सुधार की मांग ब्रिक्स देशों के एजेंडे में लगातार प्रमुख होती जा रही है। 2026 के सम्मेलन से पहले ब्रिक्स के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक प्रमुखों ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में अधिक प्रतिनिधित्व, पारदर्शिता और जवाबदेही तथा सीमा-पार भुगतान प्रणालियों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।

स्कूलों की चमक से आगे सीखने की गुणवत्ता

अवनीश कुमार गुप्ता

भारत में स्कूली शिक्षा की बहस लंबे समय तक विद्यालयों की संख्या, नामांकन और बुनियादी सुविधाओं के इर्द-गिर्द घूमती रही। अब प्रश्न बदल रहा है। बच्चा विद्यालय में पहुंच रहा है या नहीं, यह महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे बड़ा प्रश्न यह है कि विद्यालय पहुंचने के बाद वह सीख क्या रहा है, उसकी जिज्ञासा कितनी विकसित हो रही है और भविष्य की चुनौतियों के लिए उसकी तैयारी कैसी है। प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया यानी पीएम श्री योजना इसी बदलाव को संस्थागत रूप देने का प्रयास है। सितंबर 2022 में शुरू हुई यह केंद्र प्रायोजित योजना 2022-23 से 2026-27 तक चलनी है और 14,500 से अधिक मौजूदा विद्यालयों को नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप अनुकरणीय संस्थानों के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखती है। इसका कुल परियोजना व्यय 27,360 करोड़ रुपये है, जिसमें केंद्रीय हिस्सा 18,128 करोड़ रुपये है।जुलाई 2026 तक 13,092 विद्यालय पीएम श्री के लिए चयनित किए जा चुके थे। सरकार के अनुसार ये विद्यालय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ-साथ केंद्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय समिति और एनसीईआरटी से संबंधित संस्थानों को भी शामिल करते हैं। लक्ष्य की तुलना में यह लगभग 90 प्रतिशत उपलब्धि है। चयनित विद्यालय 725 जिलों और 8,340 ब्लॉकों तथा शहरी स्थानीय निकाय क्षेत्रों तक पहुंच चुके हैं। उत्तर प्रदेश 1,888 विद्यालयों के साथ सबसे आगे है, जबकि महाराष्ट्र में 946 और मध्य प्रदेश में 944 विद्यालय चयनित हैं। सरकार का अनुमान है कि योजना से 20 लाख से अधिक विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।लेकिन किसी शिक्षा योजना की सफलता का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि कितने विद्यालय चयनित हुए। असली सवाल यह है कि इन विद्यालयों में शिक्षा की प्रकृति कितनी बदली है। पीएम श्री की मूल अवधारणा ही यह है कि चयनित विद्यालय अपने आसपास के दूसरे विद्यालयों के लिए अनुकरणीय संस्थान बनें और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए नेतृत्व तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराएं। यानी योजना का उद्देश्य केवल कुछ विद्यालयों को बेहतर बनाना नहीं, बल्कि उनके माध्यम से व्यापक विद्यालयी व्यवस्था में परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू करना है।

देसी राज की शिक्षा ने मतिहीन नेता बनाए

शंकर शरण

हिन्दू ग्रंथों की निन्दा करने वाले उसे शायद ही पढ़ते हैं। मनुस्मृति के राज्य-शासन संबंधी तीनों अध्याय गंभीर ज्ञान-भंडार हैं। अधिकांश आज भी मूल्यवान। तब सोचें, तीन हजार वर्ष पहले इतना गहन चिंतन विश्व में कहाँ था! तब यहाँ ऐसे शास्त्र रचे गए, जिन की बातें आज भी चमत्कृत करती है। ज निंदक लोग केवल सुनी-सुनाई पर चलते हैं कि उस में 'शूद्रों या स्त्रियों के बारे में कुछ आपत्तिजनक है।' वस्तुत: मनुस्मृति में वैसा भी कुछ नहीं है।.. स्वामी दयानन्द सरस्वती ने मनुस्मृति को अपने समाज-सुधार का आधार बनाया था। यदि मनुस्मृति जातिवादी या स्त्री-विरोधी होती, तो वे संपूर्ण भारत में इतना बड़ा आधुनिक, व्यापक प्रभावशाली सुधार आंदोलन चलाने में कैसे सफल हुए होते?

प्राय: लगता है, कि अंग्रेजों ने इस देश को अधिक सहानुभूति से समझा था। लोगों की ही नहीं, अपितु यहाँ के ज्ञान, इतिहास, विरासत, धर्म और संस्कृति के प्रति भी सच्ची देख-भाल की प्रवृत्ति उन में थी। यह बात एकबारगी विचित्र लगे, किंतु ठोस पैमानों पर — सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यवहारिक — परखने से सोचने पर विवश होना पड़ेगा।

शिक्षा का उदाहरण लें। अंग्रेजों ने यहाँ अपने बनाए स्कूलों, कॉलेजों में यूरोप के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान से भारतीय बच्चों, युवाओं को शिक्षित किया। साहित्य और दर्शन में महान भारतीय रचनाओं को भी वही स्थान दिया। यह पुराने पुस्तकालयों में रखी उस जमाने की पाठ्य सामग्रियों तथा उस युगीन हमारे विद्वानों के लेखन के माध्यम से भी जाना जा सकता है।

पर देशी राज की शिक्षा ने क्या किया? इस ने जल्द ही शिक्षा का राजनीतिकरण, मतवादीकरण कर दिया!

पूरे ब्रिटिश राज में शायद ही स्कूलों में कभी ब्रिटिश सम्राटों या वायसरायों की विरुदावली रटाने, फैलाने का काम हुआ। देशी राज में अपने चालू नेताओं को दैवी, ज्ञानी, चिंतक, विश्वनेता, आदि बताना नीचे से ऊपर सभी कक्षाओं में एक सामान्य तत्व बन गया। यह प्रवृत्ति शिक्षा के विरुद्ध कुशिक्षा को प्रश्रय देना था। अनजाने होने से उस की हानि कम नहीं हुई! बल्कि फिर उस का प्रतिफलन, विस्तार, आदि अन्य क्षेत्रों में भी होना ही था।

जैसे, शिक्षा में सच्चे सिद्धांत पढ़ने के बजाए वैसे मतवादों, विचार पढ़ाना जो उन नेताओं को पसंद थे। या जो उन की अपनी झक थी। तदनुसार, विद्वानों के बदले उन भक्तों और रट्टू तोतों को आचार्य, अध्यापक, संचालक बनाना जो उन मतवादों का प्रचार करें। इसी तरह, फिर शोध के नाम पर उन्हीं बातो, आग्रहों, दुराग्रहों की पुष्टि कराने वाले विचार को शोध-विषय बनाकर शुद्ध प्रोपेगंडा को शोध, ज्ञान, शिक्षा, और उच्च-शिक्षा का नाम दे देना।उक्त सभी प्रवृत्तियों को आज विकराल व दयनीय रूप में चारो तरफ देख सकते हैं। बीमारी इतनी व्यापक हो चुकी, कि बीमारी नहीं लगती! मानो जहाँ सभी अंधे हों, वहाँ अंधकार और प्रकाश में नामालूम अंतर रहता है। सो, सचमुच ज्ञान की बातें, ज्ञान पुस्तकें, और सच्चे शिक्षक आज के शैक्षिक बौद्धिक वातावरण में नक्कू हैं। उन के लिए कहीं स्थान नहीं। यह भी सरसरी अवलोकन से देखा जा सकता है। वर्तमान मुहावरे में कहें, तो 'जेनरल कैटेगरी' के प्रतिभाशाली विद्यार्थी या अध्यापक विदेशों में जगह ढूँढने के लिए अभिशप्त हैं। देश में उन के लिए कोई चिन्ता करने वाला नहीं! इस प्रकार, देसी राज को ज्ञान, प्रतिभा, योग्यता, कुशलता तथा इस से होने वाले लाभ, और इन की अनुपस्थिति में होने वाली हानि — दोनों में से किसी का बोध तक नही है!

तुलना कीजिए, ब्रिटिश राज की तमाम छात्रवृत्तियों, सम्मानों, प्रोत्साहनों, और पदवियों से। कहीं भी उस में लेशमात्र भी मिलावट, प्रोपेगंडा, भेद-भाव, मिथ्याचार, या दिखावे का संकेत नहीं मिलेगा! इस का प्रत्यक्ष प्रमाण यह भी है कि किसी कट्टर से कट्टर राष्ट्रवादी भारतीय ने अंग्रेज शासकों, प्रशासकों, अधिकारियों पर सामान्य पक्षपात या भ्रष्टाचार का आरोप कभी नहीं लगाया। उन का नियमित कामकाज इतनी पारदर्शिता और गुणवत्ता से चलता था।

अत: क्या आश्चर्य कि आज देश के सर्वोच्च नेतागण भी भारतीय ज्ञान-ग्रंथों के बारे में शून्य जानकारी रखते हैं। यदि कोई संस्था सर्वेक्षण करे (जो 'प्यू रीसर्च' जैसी कोई विदेशी ही हो सकती है, देश में अब ऐसी कोई संस्था ही नहीं बची! जो यह करती हो) तो हमारे तमाम मंत्रियों, सासंदों में भारतीय ज्ञान ग्रंथों के पाँच नाम भी बता सकने वाले बिरले ही मिलेंगे। वही देश की शिक्षा, संस्कृति, और विज्ञान, सब के कर्णधार हैं! कहने की जरूरत नहीं कि आम अन्धत्व की स्थिति में इस हाल का मतलब समझने वाले भी बहुत कम हैं। और जो हैं वे असहाय दर्शक भर।

अब इस नये प्रसंग को देखें, जो 'मनुस्मृति' को फिर दो लात लगाने से जुड़ी है। एक महान ज्ञान-ग्रंथ — जिस ने ब्रिटिश राज के दौर में स्वामी दयानन्द और स्वामी विवेकानन्द जैसे महापुरुषों को प्रेरित किया, जिन्होंने देश-विदेश में अनगिनत लोगों को अपनी सीख से लाभान्वित किया। उस ग्रंथ का स्थान देसी राज में यह है कि हर नेता उसे गाली देकर, या जला कर अपने को देश का कर्णधार समझता है! किसी को उसे पढ़ने की जरूरत नहीं। बस, गाली देना पर्याप्त है। जिस से वह प्रगतिशील, बहुजन-हितैषी, समाज सेवक, आदि कहलाने का हकदार हो जाता है।

यह है देसी राज की शिक्षा का नतीजा, जिस में पैदा हुए और पले-बढ़े लोग ही आज देश भर में सत्तासीन हैं। वे न केवल यह दृश्य सहज रूप से देखते हैं, अपितु इसी को प्रोत्साहन देते हैं। मामूली खोजबीन से ऐसे उच्च पदस्थ लोग मिल जाएंगे जो मनुस्मृति को जलाकर, या उसे अपशब्द कह कर ऊपर स्थापित हुए। साथ ही, ऐसे लोग भी मिल जाएंगे जो जटिल विषयों के अच्छे ज्ञाता हैं, इसीलिए कहीं भूखे, बेघर उपेक्षित पड़े हैं। जो किन्ही मित्रों के अनुदान और सहयोग से जीवन चला रहे हैं। क्योंकि वे उस 'केटेगरी' के हैं जिन की जरूरत देसी राज को नहीं है।

सो, देसी राज में महान पुस्तकें शिक्षा से क्रमश: बाहर होती गईं। उन्हें तुच्छ या अप्रासंगिक मान लिया गया। बिना पढ़े।

मनुस्मृति की नियमित भर्त्सना इसी का उदाहरण है। जबकि यदि शीर्षक हटाकर इसे किन्हीं भी दस समझदार लोगों को पढ़ने को दें, और फिर मंतव्य लें, तो सभी उसे महान ग्रंथ मानेंगे। अत: निंदक लोग केवल सुनी-सुनाई पर चलते हैं कि उस में 'शूद्रों या स्त्रियों के बारे में कुछ आपत्तिजनक है।'वस्तुत: मनुस्मृति में वैसा भी कुछ नहीं है। यदि होता, तब भी आज के नजरिए से किसी पुरानी पुस्तक में कोई नापसंद बात मिलने पर भी उसे अपमानित करना मूर्खता है। इसीलिए 'ओल्ड टेस्टामेंट' या 'कुरान' जैसे प्राचीन ग्रंथों को सम्मान दिया जाता ह। जबकि उस में पगान, आइडोलेटर, काफिर, यानी दूसरे धर्म-विश्वासियों के लिए अत्यंत अपमानजनक बातें लिखी हुई हैं। उस दृष्टि से आज दुनिया में कम से कम तीन अरब लोग आइडोलेटर और काफिर हैं। तो मनुस्मृति को गाली देने की तर्ज पर आइडोलेटरों को क्या इन्हें उन पुस्तकों को अपशब्द कहने का अधिकार है? पूछ कर देखिए, मनुस्मृति को जलाने का दंभ रखने वाले बगलें झाँकने लगेंगे!

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको व्यापारिक लाभ कमाने का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा, आपके आय के नए स्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज ऑफिस में थोड़ा ज्यादा काम रहेगा, जिसकी वजह से आपको शारीरिक थकान हो सकती हैं।

वृषभ राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप कारोबार से जुड़े मामलों पर ध्यान देंगे और उसे आगे बढ़ाने में किसी की मदद लेंगे। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज इस राशि की महिलाएं अपने जीवनसाथी को आज कुछ मीठा बना कर खिला सकती है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। आज आप कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, जिसमें कलीग का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। आज आप कंस्ट्रक्शन से जुड़े कार्यों में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह ले सकते हैं, जिससे आपका काम अच्छा और आसानी से हो जायेगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको रोजगार के तमाम बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे और आपकी आय के नए स्त्रोत भी बनेंगे, जिससे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो आगे सफलता के लिए मददगार साबित होगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप अपने सहकर्मियों के साथ मित्रवत व्यवहार करें, तो आने वाले समय में वो आपका अच्छा लाभ करायेंगे। अगर आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो धीरे-धीरे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप पेंडिंग वर्क निपटाने के लिए किसी करीबी की मदद ले सकते हैं। आज आप परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जाने के प्लानिंग कर सकते हैं।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप अपने कारोबार में डबल मुनाफा कमायेंगे और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में सफल बनेंगे। आज आपको बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपके काम में उन्नति होगी और आपका मान सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप अपने बिजनेस में कुछ बदलाव कर सकते हैं, जिसका जल्द ही आपको पॉजिटिव रिस्पांस मिलेगा। आज आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से होगी, आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप व्यापारिक लाभ कमाने के साथ-साथ अपने खर्चों के ऊपर भी ध्यान दें। आज आप कोई भी निर्णय लेने से पहले उस पर सोच विचार करें और घर के बड़ों से भी सलाह मशवरा कर सकते हैं। इस राशि के राजनीतिक क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तियों को बड़े नेताओं से मिलने का अवसर मिलेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपकी योजनाओं को सही दिशा मिलेगी, जिससे वो अपने उद्देश्य की तरफ आगे बढ़ेंगी। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी, जो काम में आपकी मदद करेंगे।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप व्यावसायिक रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए कुछ अहम फैसले करेंगे, जिससे आपका बिजनेस अच्छा चल सके। आज आप इन्वेस्टमेंट के मामलों में किसी आर्थिक सलाहकार की मदद ले सकते हैं।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आज ऑफिस में बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे और जूनियर भी आपसे कुछ सीखने का प्रयास करेंगे। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन खास है, आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है।

राजीव से राहुल तक का सफर भी कम गौरतलब नहीं

हरिशंकर व्यास

ढेरों प्रमाण हैं। तारीखों और घटनाओं का वह अंतहीन सिलसिला है जिससे मेरा निष्कर्ष है कि भारत के कम्युनिस्टों ने न केवल देश का समय बिगाड़ा। खुद के अवसर भी गंवाए। लेफ्ट के खाते में राजनीतिक बरबादियां लगातार दर्ज कराईं। बावजूद इसके मेरे मन में कम्युनिस्ट नेताओं के चाल, चेहरे और चरित्र की कसौटी में सम्मान है। खासकर आज सत्ता में संघ-भाजपाइयों के चाल, चेहरे और चरित्र को देखते हुए तो और भी अधिक। उस नाते ई. एम. एस. नंबूदरीपाद, ज्योति बसु, इंद्रजीत गुप्त से माणिक सरकार, पिनराई विजयन और वाम संगठनों के प्रकाश करात, सीताराम येचुरी, दीपांकर भट्टाचार्य तक—इन लोगों की निजी सादगी, सहजता और वैचारिक प्रतिबद्धता का जितना सम्मान किया जाए, कम है।

कांग्रेस (राहुल) की दीमक है लेफ्ट-2

मगर व्यक्ति की ईमानदारी से विचार और उसके परिणाम सही साबित नहीं होते।

भारतीय कम्युनिस्टों का विरोधाभास यही है। निजी जीवन में जितने सादे और प्रतिबद्ध, भारत को पढ़ने में उतनी ही बार गड़बड़। स्वतंत्रता के बाद कम्युनिस्टों ने आजादी को अधूरा माना। कांग्रेस को बुर्जुआ सत्ता कहा। नेहरू को कभी वर्ग-शत्रु की राजनीति में पढ़ा और कभी उन्हीं के आसपास घेरेबंदी से उन पर वैचारिक प्रभाव बनाया। नेहरू के आखिरी सालों में कृष्ण मेनन और चीन से भारत की हार का ठीकरा भी फूटा। चीन के सवाल पर ही कम्युनिस्ट विभाजित हुए। दो पार्टियां बनीं। इंदिरा गांधी के दौर में सीपीआई उनके साथ थी। उसका आपातकाल को समर्थन रहा। फिर जनता पार्टी, वी. पी. सिंह, संयुक्त मोर्चा और यूपीए—दिल्ली में सत्ता के गठजोड़ बने तब भी वामपंथी चेहरों, पार्टियों का सरकारों, राष्ट्रीय नैरेटिव और मीडिया में हल्ला रहा।

लेकिन एक बात, एक वास्तविकता हमेशा

कायम रही। केंद्र सरकार की सत्ता के आसपास विचार, बौद्धिकता और विमर्श की दुनिया में वाम की हैसियत उसकी असल जन हैसियत, पाए गए लेफ्ट वोटों से अक्सर कई गुना बड़ी रही।

सोचें, कृष्ण मेनन के प्रभाव और 1962 के अनुभव यानी लेफ्ट से नेहरू ने क्या पाया? कांग्रेस के 1969 के विभाजन के बाद वाम समर्थन और वाम-प्रगतिशील बौद्धिक प्रभाव की ओर बढ़ीं इंदिरा गांधी अंतत: कहां पहुंचीं? बैंक राष्ट्रीयकरण, प्रिवी पर्स, गरीबी हटाओ, सरकारी उद्योगों-उद्यमों, लाइसेंस-कोटा से कांग्रेस और भारत ने क्या पाया?

लगातार फैलते सरकारी दायरे में उलटे कांग्रेस अपनी पुरानी मध्यमार्गी अर्थनीति से लेफ्ट की ओर खिसकती गई। तात्कालिक फायदे की राजनीति में भले इंदिरा को गरीबों की मसीहा की इमेज मिली। कांग्रेस का नया सामाजिक आधार बना। मगर उसी के साथ सरकार अर्थव्यवस्था और नागरिक जीवन की सर्वशक्तिमान माई-बाप बनती गई।

ऐसे ही इंदिरा गांधी के समय विश्वविद्यालयों, इतिहास, संस्कृति, अकादमिक संस्थानों, मीडिया और दिल्ली के नीति-विमर्श में लेफ्ट का नया प्रगतिशील प्रतिष्ठान बना। सही है, उसमें बैठे सभी लोग कम्युनिस्ट नहीं थे। लेकिन आधुनिक, वैज्ञानिक और प्रगतिशील कहलाने की खास भाषा जरूर सभी चेहरों-मठाधीशों—शिक्षा मंत्री, उपकुलपतियों, कला-साहित्य-संस्कृति आदि क्षेत्रों में—की थी।

उस भाषा, उस सोच में धर्म को सार्वजनिक जीवन में लेकर चलने वाला हिंदू आसानी से रूढ़िवादी करार दिया जाता। जबकि धार्मिक अल्पसंख्यक की सामुदायिक पहचान की रक्षा सेकुलर राज्य का दायित्व। जाति पर बात करना प्रगतिशीलता, वहीं सनातनी धर्म और सभ्यता पर बात करते हुए सफाई देती हुई झिझक।

इसलिए 'लेफ्ट' का अर्थ, उसके जुगालीबाजों का दायरा बहुत विस्तृत रहा है।

बात केवल सीपीआई, सीपीएम या सीपीआई-एमएल का पार्टी कार्ड रखने वालों की ही नहीं है। समाजवादी कम्युनिस्ट नहीं थे। लोहियावादी और मार्क्सवादी एक नहीं थे। आंबेडकरवादी भी कम्युनिस्ट नहीं। एनजीओ एक्टिविस्ट और अधिकारवादी नागरिक समाज को भी कम्युनिस्ट कहना गलत होगा। इन सबके आपसी झगड़े और वैचारिक फर्क गहरे हैं।

लेकिन समय के साथ लुटियंस दिल्ली में इन धाराओं के मेल से एक व्यापक वाम-प्रगतिशील सत्ता-बौद्धिक मानस की दबंगी बनी। समाज को वर्ग, जाति, लिंग, अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक और उत्पीड़क-उत्पीड़ित के खांचों से देखने की प्रवृत्ति पूरे देश में पसरती गई। यही मेरे 'लेफ्ट' के आशय का व्यापक वैचारिक खमीर है।

मगर कमाल या त्रासदी देखिए। लेफ्ट का रौब, हल्ला जैसे-जैसे बढ़ा, वैसे-वैसे कम्युनिस्टों, वामपंथियों, समाजवादियों की चुनावी और वैचारिक हैसियत जीरो होती गई। वोट में सिकुड़ते गए, लेकिन उनकी बनाई भाषा, जुमलों के फतवे बढ़ते गए।

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार, 16 सितम्बर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

बलिया में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर कर हत्या, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

बलिया (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में कुछ लोगों के एक समूह ने लाठियों से पीट-पीटकर 35 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि हमले में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। यह घटना सोमवार रात को मालीपुर गांव से आगे कैथी (मथिया) के पास घटी, जब आरोपियों ने उस मोटरसाइकिल को रोका जिस पर उमेश चौरसिया यात्रा कर रहे थे और उन पर लाठियों से हमला किया। पुलिस के अनुसार, उभाओं थाना क्षेत्र के करणी गांव का निवासी चौरसिया सोमवार देर शाम मालीपुर से पूजा सामग्री लेकर घर लौट रहा था। वह अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर शाम करीब 7:45 बजे कैथी (मठिया) इलाके में पहुंचा।

पुलिस ने बताया कि इलाके में घात लगाकर बैठे बदमाशों के एक समूह ने उसकी मोटरसाइकिल रोककर उस पर लाठियों से हमला किया। हमलावरों की संख्या चार से छह के बीच बताई जा रही है।चौरासिया हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोग उन्हें सीर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए, जहां डॉक्टरों ने उनकी जांच की और उन्हें मृत घोषित कर दिया। चौरसिया के साथ मोटरसाइकिल पर यात्रा कर रहे एक अन्य व्यक्ति को भी इस घटना में मामूली चोटें आईं।हमले की सूचना मिलते ही पुलिस उभाओं पुलिस स्टेशन से एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गुरुग्राम हिट एंड रन केस में बड़ा एक्शन, आरोपी कल्याण बैंसला दौसा से गिरफ्तार

गुरुग्राम ,(आरएनएस)। गोल्फ कोर्स रोड पर महिला बाइक राइडर को कार से टक्कर मारकर फरार होने के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने आरोपी कल्याण बैंसला को राजस्थान के दौसा से गिरफ्तार कर लिया है। हादसे का वीडियो बाइक पर लगे कैमरे में रिकॉर्ड हुआ था, जो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला सुर्खियों में आया। जांच आगे बढ़ने के साथ पुलिस ने केस में BNS की धारा 109 (हत्या के प्रयास) भी जोड़ दी है। सीसीटीवी फुटेज से जांच में मिली अहम जानकारी पुलिस के अनुसार, वीडियो वायरल होने के बाद सेक्टर-56 थाने में मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। वीडियो और सीसीटीवी समेत सामने आए अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मामले में धारा 109 बीएनएसजोड़ी और आरोपी की तलाश शुरू की। इसी जांच के दौरान कल्याण बैंसला को दौसा से गिरफ्तार किया गया।

राजमाता विजयराज कुमारी मेवाड़ का निधन, उदयपुर और पूरे मेवाड़ क्षेत्र में शोक की लहर

उदयपुर,(आरएनएस)। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार की सदस्य राजमाता विजयराज कुमारी मेवाड़ के निधन के बाद राजस्थान के उदयपुर और पूरे मेवाड़ क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। सोमवार देर रात लंबी बीमारी के बाद 83 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उनकी मृत्यु पर उदयपुर, मेवाड़ और मारवाड़ में शोक की लहर दौड़ गई है। भारत और विदेश के प्रशंसक, सामाजिक संगठन और राजनीतिक नेता उनके जीवन और विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। अपनी गर्मजोशी, गरिमा और जन कल्याण के प्रति समर्पण के लिए याद की जाने वाली राजमाता विजयराज कुमारी ने शिक्षा और सामाजिक सेवा, विशेष रूप से उदयपुर में, महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से एक ऐसे व्यक्तित्व का युग समाप्त हो गया जो शहर की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान से घनिष्ठ रूप से जुड़ा रहा।

राजमाता विजयराज कुमारी भारत के सबसे प्रतिष्ठित राजपरिवारों में से एक थीं। उनका जन्म गुजरात के कच्छ के पूर्व राजपरिवार में हुआ था और वे कच्छ के महाराज फतेह सिंह की छोटी पुत्री और कच्छ के महाराव की पोती थीं। विवाह के बाद, वे मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार की सदस्य बनीं और स्वर्गीय अरविंद सिंह मेवाड़ की पत्नी बनीं। वे डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की माता भी थीं, जो एक प्रख्यात समाजसेवी और शिक्षाविद हैं और मेवाड़ परिवार की वर्तमान पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने सीईओ चयन पर भ्रम किया दूर, बताया- प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी

अयोध्या (आरएनएस)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के चयन को लेकर कुछ मीडिया में चल रही गलत जानकारी पर स्पष्टीकरण जारी किया है। न्यास के महासचिव स्वामी गोविंद देव गिरी की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि न्यास तथ्यों को स्पष्ट करना चाहता है ताकि गलत जानकारी को संबोधित किया जा सके। न्यास ने प्रलेखित तथ्य साझा करते हुए बताया कि 6 जुलाई 2026 को खोज समिति का गठन किया गया था। खोज समिति को कुल 5,585 आवेदन प्राप्त हुए थे। तीन शहरों, दिल्ली एनसीआर, पुणे और संबलपुर, में एआई स्क्रीनिंग और मैनुअल विशेषज्ञता के जरिए बहु-स्तरीय मूल्यांकन किया गया।

बताया गया कि मूल्यांकन के बाद 16 प्रत्याशियों को अंतिम रूप से चुना गया, जिन्होंने 11 और 12 अगस्त 2026 को अयोध्या में आमने-सामने की बातचीत में भाग लिया। एयर मार्शल (रिटायर्ड) जितेंद्र मिश्र ने 11 अगस्त 2026 को पहली पाली में साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग लिया था। खोज समिति ने 1 सितंबर 2026 को अपनी अंतिम रिपोर्ट और सिफारिशें न्यास को प्रस्तुत कीं।

बयान में बताया गया कि 2 सितंबर 2026 को न्यास ने अनुशंसित शीर्ष तीन प्रत्याशियों, जितेंद्र मिश्र, संजय प्रतापसिंह विश्वास राव और श्रुति भारद्वाज के नाम मीडिया के समक्ष सार्वजनिक किए।

न्यास ने कहा कि यह दावा कि जितेंद्र मिश्र 11-12 अगस्त को साक्षात्कार के दौर में शामिल नहीं थे, तथ्यात्मक रूप से गलत है। शीर्ष तीन अनुशंसित प्रत्याशियों में उनका शामिल होना उनकी भागीदारी, मूल्यांकन और योग्यता-आधारित चयन का दस्तावेजी प्रमाण है।

न्यास ने कहा कि चयन प्रक्रिया संस्थागत शासन और पारदर्शिता के सर्वोच्च मानकों के अनुसार आयोजित की गई थी। प्रत्येक चरण दस्तावेजीकृत था और सभी अंतिम उम्मीदवारों की पहचान अयोध्या में दर्ज की गई थी। न्यास ने दोहराया कि वह पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्ध है और चयन प्रक्रिया के संबंध में किसी भी जांच के लिए तथ्यात्मक जानकारी प्रदान करना जारी रखेगा।

भारत डिफेंस एक्सपोर्टर बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा आगे : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (आरएनएस) । भारत आज आयातक से रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंगलवार को यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने बताया कि बीते कुछ वर्षों में स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम भारत में नवाचार के नए ध्वजवाहक बनकर उभरे हैं। यही छोटे उद्यम नए विचारों और नई प्रौद्योगिकियों को जन्म देते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इनके लिए ऐसा ढांचा तैयार किया है, जिसके माध्यम से स्टार्टअप और एमएसएमई सीधे डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं के साथ संवाद कर सकते हैं। डीप टेक व विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में काम करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली में आयोजित डीआरडीओ-उद्योग समन्वय बैठक 'विमर्श 2026' में बोल रहे थे। यहां उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में एमएसएमई और स्टार्टअप की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये उद्यम बड़े रक्षा तंत्रों के घटक व उप-तंत्रों से लेकर अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी तक विकसित कर रहे हैं। अब डीआरडीओ व उद्योगों की साझेदारी केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। रिसर्च, डिजाइन, परीक्षण, प्रमाणन और विनिर्माण की पूरी श्रृंखला में साझेदारी बढ़ानी होगी। बड़े उद्योगों के साथ एमएसएमई व स्टार्टअप को भी रक्षा आपूर्ति श्रृंखला का अभिन्न हिस्सा

बनाना होगा। रक्षा मंत्री ने कहा, आज डीआरडीओ के पास ज्ञान और प्रौद्योगिकी है, इंडस्ट्री के पास विस्तार और विनिर्माण क्षमता है, स्टार्टअप के पास नवाचार और तेजी से काम करने की क्षमता है और हमारे युवाओं के पास नए भारत का सपना है। जब ये चारों शक्तियां एक साथ आएंगी, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रह जाएगा। जब ये चारों शक्तियां एक दिशा में आगे बढ़ेंगी, तो भारत की रक्षा क्षमता को दुनिया की कोई शक्ति रोक नहीं सकती।

उन्होंने बताया कि आज जारी की गई नई नीतियां और दिशानिर्देश भी उद्योग के लिए नई संभावनाएं लेकर आए हैं। इनका फोकस उद्योग के नेतृत्व वाले रिसर्च एवं डेवलपमेंट, स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के वित्त पोषण को बढ़ावा देना है। शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग व एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग व हाइपरसोनिक जैसी भविष्य की प्रौद्योगिकियों में निवेश को बढ़ावा देने पर फोकस किया गया है।

राजनाथ सिंह ने कहा, रक्षा क्षेत्र में रिसर्च व डेवलपमेंट के लिए डीआरडीओ आज शीर्ष संगठन है। हालांकि, एक सच्चाई यह भी है कि रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के लिए केवल सरकार या डीआरडीओ के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। यह एक सहयोगात्मक प्रयास है। यही सहयोग इस विमर्श 2026 का मुख्य संदेश है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और उद्योग के बीच की साझेदारी ही भारत को रक्षा विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बना सकती है। कोई भी उत्पाद भारत में विकसित कर देना महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है उत्पाद बनाने की क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करना।

दल्ली के उप-राज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने नई दिल्ली में दिल्ली झुग्गी और जेजे पुनर्वास और पुनर्स्थापन नीति, 2026 के तहत जेजे क्लस्टर पुनर्वास पहलों की समीक्षा की।

प्रत्येक वर्ष की भांति आर्मापुर पीजी कॉलेज, कानपुर में हिंदी दिवस समारोह आयोजित किया गया

कानपुर (धनंजय त्रिवेदी)। प्रत्येक वर्ष की भांति 14 सितंबर, 2026 को आर्मापुर पीजी कॉलेज, कानपुर में हिंदी दिवस समारोह अत्यंत हर्ष और उल्लास के साथ आयोजित किया गया, इस समारोह के मुख्य अतिथि प्रो राकेश कुमार शुक्ल अध्यक्ष, हिंदी विभाग वीएसएसडी कॉलेज, कानपुर और अधिष्ठाता हिंदी विषय छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर का आगमन हुआ। इसके साथ ही मान्य अतिथि के रूप में प्रबंध समिति की प्रभारी, महाप्रबंधक आयुध निर्माणी, श्रीमती रश्मि सिन्हा का भी आगमन हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ हुआ, महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना और हिन्दी गीत की प्रस्तुति की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो(डॉ.) मुकेश कुमार सिंह द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ, शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया गया, हिन्दी विभाग की ओर से सहायक प्राध्यापक डॉ राजेश, मनोज ने प्राचार्य का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

अतिथियों द्वारा संभाषण प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी क्रमशः प्रथम, द्वितीय,तृतीय, मरियम, जानवी और अंशिका को शील्ड और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रो शुक्ल ने हिन्दी भाषा की महत्ता और विश्व में बढ़ रहे उसके उपयोग और तकनीकी के क्षेत्र में हिन्दी भाषा के विस्तार पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। महाप्रबंधक श्रीमती सिन्हा ने महाविद्यालय की छात्राओं की प्रस्तुति और उनके आत्मविश्वास की प्रशंसा की। इसके साथ ही हिन्दी भाषा के वर्तमान परिदृश्य और उसकी उपयोगिता के विषय पर अपने बहुमूल्य विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन प्रो गरिमा जैन ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त सम्मानित शिक्षक एवं शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित थे।

लॉरेंस गैंग के करीबी कर्मवीर देओ पर पंजाब पुलिस का शिकंजा, कनाडा से डिपोर्ट होकर दिल्ली पहुंचते ही गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। कनाडा से भारत डिपोर्ट किए गए गैंगस्टर कर्मवीर देओ को पंजाब पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। कर्मवीर को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी बताया जाता है। आरोप है कि वह विदेश में रहकर गैंग के सदस्यों को पनाह और अन्य तरह की मदद मुहैया कराता था। पंजाब पुलिस ने उसके खिलाफ पहले ही लुकआउट सर्कुलर जारी किया हुआ था। कनाडा से भारत पहुंचते ही पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।कर्मवीर देओ पर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को भारत से फरार होने में मदद करने का आरोप है। बताया जाता है कि अनमोल अमेरिका में कर्मवीर के घर पर भी रुका था। अनमोल का अमेरिका में पंजाबी गायकों के साथ डांस और पार्टी करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था। दावा किया गया था कि यह वीडियो कर्मवीर के घर का है। इसके बाद अनमोल को पनाह देने में कर्मवीर की भूमिका को लेकर भी सवाल उठे थे।

आरोप है कि कर्मवीर की भूमिका केवल अनमोल बिश्नोई को अपने घर पर ठहराने तक सीमित नहीं थी। बताया जाता है कि अमेरिका पहुंचने वाले लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्यों को वह शेल्टर उपलब्ध कराता था। इसके अलावा गैंग से जुड़े लोगों को कानूनी मदद मुहैया कराने में भी उसकी भूमिका बताई जाती है। जांच एजेंसियां विदेश में गैंग के सदस्यों के लिए ठहरने और कानूनी सहायता की व्यवस्था करने में उसकी कथित भूमिका की जांच कर सकती हैं।अमेरिका में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ एफबीआई की कार्रवाई शुरू होने के बाद कर्मवीर देओ के कनाडा शिफ्ट होने की बात सामने आई थी। इससे पहले वह अमेरिका में गैंग से जुड़े लोगों को मदद पहुंचाने के आरोपों को लेकर चर्चा में आया था। कनाडा पहुंचने के बाद भी उसका नाम गैंग की गतिविधियों से जुड़ता रहा। अब कनाडा से डिपोर्ट किए जाने के बाद पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

भारत में सख्ती के बाद मेटा झुका, बाल यौन शोषण से जुड़े मामलों की जानकारी एजेंसियों को देगा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार की सख्ती के बीच फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा ने बाल यौन शोषण से जुड़े मामलों की रिपोर्ट कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देने पर सहमति जताई है। सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया है कि भारत में काम करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा एक बुनियादी जिम्मेदारी है और इससे किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जा सकता।

अधिकारियों के मुताबिक, सरकार हानिकारक सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए लगातार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के संपर्क में है। बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षित बनाने की दिशा में शुरुआती कदम के तौर पर मेटा अब बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों की रिपोर्ट कानून प्रवर्तन एजेंसियों को उपलब्ध कराएगा। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अभी और कदम उठाने की जरूरत है।

सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के साथ भी लगातार बातचीत कर रही है, ताकि बच्चों से संबंधित हानिकारक सामग्री की पहचान कर उसे जल्द हटाया जा सके। सरकार ने संकेत दिया है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सक्रिय कदम नहीं उठाने वाले प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'अच्छी एक्टिंग करते हैं, कोर्ट में न करें', राजपाल यादव को SC की दो टूक; 2 करोड़ जमा करने की अंतिम मोहलत

नई दिल्ली, (आरएनएस)। बॉलीवुड के जाने-माने हास्य अभिनेता राजपाल यादव को चेक बाउंस से जुड़े एक पुराने मामले में सुप्रीम कोर्ट से फौरी तौर पर अंतरिम राहत मिल गई है, लेकिन शीर्ष अदालत का रुख उनके प्रति काफी सख्त नजर आया। मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता को कड़ी हिदायत दी और दो टूक शब्दों में कहा कि वे फिल्मों में बेहद शानदार अभिनय करते हैं, पर उम्मीद है कि अदालत के सामने वे ऐसा कोई रवैया या ड्रामा नहीं दिखाएंगे। शीर्ष अदालत ने राजपाल यादव को बकाया रकम के निपटारे के तहत 2 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट (DD) जमा कराने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है। इसके साथ ही पीठ ने दो बेहद कड़े निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि पैसे जमा कराने के लिए यह उन्हें दिया गया बिल्कुल आखिरी मौका है और इसके बाद किसी भी तरह की ढील या अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा, अभिनेता को अपना पासपोर्ट भी तुरंत अदालत में जमा कराने का आदेश दिया गया है, ताकि वे बिना पूर्व अनुमति के देश छोड़कर बाहर न जा सकें यह विवाद 'मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड' से जुड़े 7 अलग-अलग चेक बाउंस मामलों से संबंधित है। राजपाल यादव और उनकी पत्नी राधा यादव ने एक फिल्म के निर्माण के सिलसिले में इस कंपनी से वित्तीय लेन-देन किया था। बाद में कंपनी को दिए गए चेक बाउंस हो गए। इस पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने राजपाल यादव को दोषी ठहराया था और सभी 7 मामलों में उन्हें 3-3 महीने की साधारण कैद की सजा सुनाई थी।

भाजपा 18 सितंबर से शुरू करेगी नशा मुक्त पंजाब यात्रा अभियान, नितिन नवीन करेंगे नेतृत्व

पंजाब (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी 18 सितंबर से एक बड़ा नशा मुक्त पंजाब यात्रा अभियान शुरू करने जा रही है। इस अभियान में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और शिवराज सिंह चौहान जैसे पार्टी के वरिष्ठ नेता पंजाब भर में हिस्सा लेंगे। नशा मुक्त पंजाब के लिए भाजपा के अभियान को उजागर करने के मकसद से निकाली जा रही यह यात्रा चार दिनों में राज्य के प्रमुख जिलों से होकर गुजरेगी। इसकी शुरुआत पठानकोट से होगी और समापन बठिंडा में होगा। पार्टी के कार्यक्रम के अनुसार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 18 सितंबर को पठानकोट में यात्रा का नेतृत्व करेंगे। 19 सितंबर को यह अभियान फतेहगढ़ साहिब पहुंचेगा, जहां दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शामिल होंगी। 20 सितंबर को यात्रा फाजिल्का पहुंचेगी, जिसमें केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शामिल होंगे।

21 सितंबर को यह बड़ा अभियान बठिंडा पहुंचेगा, जहां केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान हिस्सा लेंगे।

भाजपा की नशा मुक्त पंजाब यात्रा में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के मुद्दे पर केंद्रित एक बड़ा जनसंपर्क अभियान साबित हो सकती है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की भागीदारी से अभियान को राजनीतिक गति मिलने और राज्य में नशीली दवाओं की समस्या से निपटने पर पार्टी के जोर को रेखांकित करने की उम्मीद है।

यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब भाजपा पंजाब में अपने संगठन और जन-संपर्क को मजबूत करने की कोशिश कर रही है, जबकि नशीली दवाओं का दुरुपयोग राज्य की राजनीतिक चर्चा में एक प्रमुख चिंता का विषय बना हुआ है। उम्मीद है कि पार्टी अभियान के दौरान नशा मुक्त पंजाब के लिए अपने विजन को उजागर करेगी और यात्रा के दौरान शामिल जिलों के लोगों से जुड़ेगी।

हाल ही में इस अभियान को लेकर पंजाब में पार्टी के राज्य प्रमुख केवल सिंह ढिल्लों ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 18 सितंबर को पठानकोट जिले के माधोपुर से इस मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

चर्चित आईएएस दिव्या मित्तल का इस्तीफा केंद्र ने किया मंजूर, 17 साल की बची नौकरी को कहा अलविदा

लखनऊ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश कैडर की तेजतर्रार और चर्चित आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल का इस्तीफा केंद्र सरकार ने औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया है। अपनी सख्त कार्यशैली और प्रशासनिक फैसलों के लिए पहचानी जाने वाली 2013 बैच की आईएएस दिव्या मित्तल ने बीते 30 अगस्त को निजी कारणों, पारिवारिक जिम्मेदारियों और जिंदगी के एक नए उद्देश्य का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दिया था। इस्तीफा मंजूर होने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी साझा करते हुए राष्ट्रकवि जयशंकर प्रसाद के मशहूर नाटक 'चंद्रगुप्त' की प्रेरक पंक्ति लिखी- प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो, बढ़े चलो।

वैष्णो देवी दर्शन के बाद लिया बड़ा फैसला, 17 साल की नौकरी थी बाकी इस्तीफा मंजूर होने की आधिकारिक सूचना मिलने से ठीक दो दिन पहले दिव्या मित्तल माता वैष्णो देवी के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंची थीं। वहां से अपनी तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने लिखा था, आगे की राह कठिन है सद्बुद्धि देना मां। इस पोस्ट के बाद से ही प्रशासनिक गलियारों में उनके भावी कदम को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। दिव्या मित्तल करीब 13 वर्षों तक सरकारी सेवा में रहीं। उन्होंने ऐसे मोड़ पर प्रशासनिक सेवा को अलविदा कहा है, जब उनके सेवाकाल के लगभग 17 साल अभी बाकी थे।

हूतियों के हमले से थर्राया सऊदी अरब, पाकिस्तान-अमेरिका ने खींचे हाथ तो जिसे देश नहीं मानता, उसी से मांगी मदद

रियाद (आएनएस)। यमन के लाल सागर तट और रणनीतिक रूप से बेहद अहम बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) पर ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के अचानक कब्जे और ताबड़तोड़ हमलों के बाद सऊदी अरब भारी सुरक्षा संकट में घिर गया है। वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार की जीवनरेखा माने जाने वाले इस इलाके में हूतियों की मजबूत पकड़ ने सऊदी अरब के पसीने छुड़ा दिए हैं। सबसे बड़ा झटका रियाद को तब लगा जब उसके सबसे भरोसेमंद और पुराने सहयोगियों ने इस जंग में सीधे कूदने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद सऊदी अरब को मजबूरन उस इजरायल का दरवाजा खटखटाना पड़ा है, जिसे वह आज तक आधिकारिक तौर पर एक स्वतंत्र राष्ट्र भी स्वीकार नहीं करता।

अमेरिका-ब्रिटेन और पाकिस्तान ने जंग में उतरने से किया साफ इनकार

हूतियों के बढ़ते खतरे के बीच सऊदी अरब ने सबसे पहले अपने पारंपरिक साझेदार देशों से सीधी सैन्य मदद की गुहार लगाई थी। सऊदी अरब को सबसे बड़ी उम्मीद पाकिस्तान से थी, जिसके साथ वह मक्का रक्षा गठबंधन (जिसमें तुर्की भी शामिल है) और सामूहिक आत्मरक्षा समझौते में बंधा हुआ है। इसके बावजूद पाकिस्तान ने विदेशी जमीन पर जाकर लड़ने से साफ हाथ खड़े कर दिए। दूसरी ओर, अमेरिका और ब्रिटेन ने भी सीधे सैन्य हमले करने या सैनिक भेजने से मना कर दिया और खुद को केवल खुफिया जानकारी व सलाहकारों तक सीमित रखने की बात कही।

'सऊदी की रक्षा करेंगे, यमन में जाकर नहीं लड़ेंगे'; पाकिस्तान का दो टूक जवाब

दोहरी मुसीबत में फंसे सऊदी अरब के सामने पाकिस्तान के रुख ने स्थिति को और पेचीदा बना दिया। इस्लामाबाद ने दो टूक स्पष्ट किया कि पाकिस्तानी सेना सऊदी अरब की अपनी सीमाओं और जमीन की हिफाजत के लिए तो तैनात हो सकती है, लेकिन वह किसी भी सूरत में यमन की जमीन पर जाकर हूतियों के खिलाफ आक्रामक सैन्य अभियान का हिस्सा नहीं बनेगी। सहयोगियों के इस टालमटोल वाले रवैये ने रियाद को अलग-थलग कर दिया, जिससे सऊदी अरब को नए रक्षा समीकरण तलाशने पर मजबूर होना पड़ा।

इजरायल से खुफिया इनपुट की गुहार, अमेरिकी सेंटकॉम ने कराई बातचीत

तेल अवीव स्थित प्रमुख अखबार 'द जेरूसलम पोस्ट' के हवाले से सामने आई जानकारी के अनुसार, सऊदी अरब और इजरायल के बीच अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) की मध्यस्थता में उच्चस्तरीय बातचीत हुई है। इस गोपनीय तालमेल का मुख्य मकसद इजरायल से एडवांस इंटेलिजेंस और खुफिया इनपुट हासिल करना है, ताकि हूती लड़ाकों के संभावित हमलों और ड्रोन-मिसाइल नेटवर्क का समय रहते बचाव किया जा सके।

क्राउन प्रिंस एमबीएस ने तेज की कूटनीति, खुफिया मदद पर जोर

इजरायली मीडिया संस्थान 'इजरायल हयोम' की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (MBS) ने हूती संकट से निपटने के लिए मिस्र और अन्य खाड़ी सहयोगियों से भी संपर्क साधा है। इसके साथ ही एमबीएस ने अमेरिकी सेंटकॉम के जरिए इजरायल से बाब अल-मंडेब पर मंडरा रहे खतरों से निपटने के लिए खुफिया तालमेल की मांग की है। हालांकि अभी सीधी सैन्य कार्रवाई की बात नहीं है, लेकिन दोनों देशों के बीच खुफिया सूचनाओं का यह साझा प्रयास पश्चिम एशिया की भू-राजनीति में बड़े बदलाव का साफ संकेत दे रहा है।

मिडिल ईस्ट में बढ़ा तनाव : हूतियों के सऊदी अरब पर मिसाइल-ड्रोन हमले, कई शहरों में इमरजेंसी अलर्ट

रियाद (आरएनएस)। मिडिल ईस्ट में ईरान-अमेरिका और इजरायल-लेबनान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अब यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोही और सऊदी अरब आमने-सामने हैं। हूती विद्रोहियों ने दक्षिण-पश्चिमी सऊदी अरब में ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से बड़ा हमला किया है। खमीस मुशैत में सैन्य एयरबेस को निशाना बनाकर किए गए हमले में 13 लोगों के घायल होने की खबर है, जबकि सात मकान ध्वस्त हो गए। कई लोगों के वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है।

सऊदी अरब के मुताबिक, हूतियों का यह हमला यमन में सऊदी अरब की ओर से किए गए हवाई हमलों का जवाब है। हालांकि फिलहाल हमले का खतरा टल गया है, लेकिन खमीस मुशैत, आभा, ताइफ, जेद्दा और जाजान समेत कई शहरों में इमरजेंसी अलर्ट जारी किया गया है।इससे पहले 14 सितंबर को हूती विद्रोहियों ने दक्षिणी सऊदी अरब के आभा, खमीस मुशैत और ताइफ जैसे नागरिक इलाकों को निशाना बनाया था।

शेख हसीना के 7 करीबियों को कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा, संपत्तियां भी होंगी नीलाम

ढाका (आरएनएस)। बांग्लादेश में साल 2024 के ऐतिहासिक छात्र आंदोलन के दौरान हुए नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (ICT) ने मंगलवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के 7 शीर्ष और कद्दावर नेताओं को फांसी की सजा सुनाई है। सजा पाने वालों में अवामी लीग के महासचिव व पूर्व मंत्री ओबैदुल कादर भी शामिल हैं। अदालत ने इन सभी नेताओं को आंदोलनकारियों पर खूनी हमले कराने, हत्या की साजिश रचने और हिंसा भड़काने का मुख्य सूत्रधार माना है।

सभी 7 आरोपी देश छोड़कर फरार, गैर-हाजिरी में चला मुकदमा

न्यायमूर्ति नजरुल इस्लाम चौधरी की अध्यक्षता वाली ट्रिब्यूनल-2 की विशेष पीठ ने यह सख्त फैसला सुनाया। पीठ में न्यायमूर्ति मोहम्मद मंजुरुल बशिद और न्यायमूर्ति नूर मोहम्मद शाहरीयार कबीर भी शामिल रहे। अदालत ने टिप्पणी की कि आरोपियों के खिलाफ सभी गंभीर आरोप बिना किसी संदेह के साबित हुए हैं, इसलिए उन्हें कानून के तहत अधिकतम सजा यानी मौत की सजा दी जा रही है। सजा पाने वाले सभी 7 नेता देश छोड़कर फरार हैं, जिसके चलते उनकी गैर-हाजिरी में ही अदालत ने सरकारी वकील नियुक्त कर पूरे ट्रायल की सुनवाई पूरी की।

फांसी की सजा पाने वाले नेताओं की सूची

अदालत द्वारा जिन 7 प्रमुख नेताओं को मौत की सजा सुनाई गई है, उनमें अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर, संयुक्त महासचिव एएफएम बहाउद्दीन नसीम, पूर्व सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री मोहम्मद अली अराफात, जुबो लीग के अध्यक्ष शेख फजल शम्स पराश, जुबो लीग के महासचिव मैनुल हुसैन खान निखिल, छात्र लीग के अध्यक्ष सद्दाम हुसैन और छात्र लीग के महासचिव शेख वली आसिफ एनां शामिल हैं।

रूस से कारोबार पर अमेरिका की नजर, भारत समेत बड़े तेल खरीदारों पर 100% टैरिफ का खतरा

वॉशिंगटन (ए.)। रूस पर प्रस्तावित नए अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर वॉशिंगटन में हलचल तेज हो गई है। अमेरिकी सांसदों ने रूस प्रतिबंध बिल में कई अहम संशोधन पेश किए हैं। इनमें एक संशोधन में भारत समेत रूस के प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के नाम सीधे बिल में शामिल करने की मांग की गई है। वहीं, दूसरे संशोधन में रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ लगाने के पूरे प्रावधान को ही हटाने का प्रस्ताव रखा गया है। अब यह मामला अमेरिकी संसद के निचले सदन यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पहुंच गया है। यह बिल 'लिंडसे ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट' के नाम से जाना जा रहा है। पिछले महीने अमेरिकी सीनेट ने इसे भारी बहुमत से मंजूरी दी थी। बिल 86-11 के वोट से पास हुआ था। इसका उद्देश्य रूस के नेतृत्व और उसके ऊर्जा क्षेत्र पर कड़े प्रतिबंध लगाना है।बिल में रूस के तेल कारोबार में मदद करने वाले जहाजों के बेड़े पर भी निगरानी और कार्रवाई का प्रावधान है। अमेरिका का आरोप है कि रूस कच्चे तेल के निर्यात से होने वाली आय का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में कर रहा है।प्रस्तावित कानून में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से तेल खरीदने वाले बड़े देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देने की बात कही गई है। हालांकि, 7 अगस्त को सीनेट से पारित बिल में किसी देश का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया गया था। इसमें केवल उन पांच देशों पर प्रावधान लागू करने की बात थी, जो रूस से सबसे अधिक मात्रा में तेल और गैस खरीदते हैं।अब डेमोक्रेटिक सांसद स्टेनी हॉयर ने संशोधन पेश कर चीन, भारत, तुर्की, अजरबैजान, हंगरी, स्लोवाक रिपब्लिक, यूएई, सिंगापुर, कजाकिस्तान और किर्गिज रिपब्लिक के नाम सीधे बिल में शामिल करने की मांग की है। वहीं, डेमोक्रेटिक सांसद ग्रेगरी मीक्स ने राष्ट्रपति को सेकेंडरी टैरिफ लगाने का अधिकार देने वाले बिल के पूरे सेक्शन 113 को हटाने का प्रस्ताव रखा है। मीक्स लंबे समय से ट्रंप को अतिरिक्त टैरिफ अधिकार देने के विरोध में रहे हैं। उनके इस संशोधन को तीन अन्य सांसदों का समर्थन भी मिला है।इस तरह रूस पर दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से लाए गए इस बिल को लेकर अमेरिकी संसद में अब दो अलग-अलग रुख सामने आ गए हैं। एक पक्ष रूस के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों को सीधे निशाने पर लेने की पैरवी कर रहा है, जबकि दूसरा पक्ष टैरिफ के प्रावधान को ही हटाने की कोशिश कर रहा है।

फीचर

केले के फूल को खाने में शामिल करने से पहले इन 5 बातों का रखें ध्यान

केले का फूल एक पौष्टिक और स्वादिष्ट सामग्री है, जिसे कई व्यंजनों में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है। हालांकि, केले के फूल का इस्तेमाल करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि इसका सही तरीके से उपयोग किया जा सके। आइए जानते हैं कि केले के फूल का इस्तेमाल करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सही तरीके से साफ करें

केले के फूल का इस्तेमाल करने से पहले उसे अच्छे से साफ करना बहुत जरूरी है।इसके लिए सबसे पहले बाहरी पत्तियों को हटाकर अंदर के हिस्से तक पहुंचें और उसे पानी से धो लें। इससे गंदगी और कीटाणु हट जाएंगे।इसके बाद इसे छीलकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें ताकि इसे आसानी से पकाया जा सके। सही तरीके से साफ करने से केले के फूल का स्वाद भी बेहतर हो जाएगा और यह सेहत के लिए भी फायदेमंद रहेगा।

पकाने से पहले भिगो दें

केले के फूल को पकाने से पहले उसे कुछ देर के लिए पानी में भिगो दें। इससे इसमें मौजूद कड़वाहट कम हो जाएगी और इसका स्वाद बेहतर हो जाएगा।भिगोने के लिए एक बड़े बर्तन में पानी भरें और उसमें कटे हुए केले के फूल डालकर 30 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद इसे छान लें और आगे की प्रक्रिया के लिए तैयार कर लें। इससे आपका व्यंजन स्वादिष्ट बनेगा और सेहत के लिए भी अच्छा रहेगा।

मसालों का सही चयन करें

केले के फूल का स्वाद बढ़ाने के लिए सही मसालों का चयन करना अहम है। हल्दी, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, अदरक-लहसुन का पेस्ट आदि मसाले इसके साथ अच्छी तरह मिलते हैं।इन मसालों का उपयोग करने से न केवल इसका स्वाद बढ़ता है बल्कि यह सेहत के लिए भी अच्छा रहता है।मसालों को सही अनुपात में मिलाकर इस्तेमाल करें ताकि व्यंजन का स्वाद संतुलित रहे और यह अधिक पौष्टिक बने।

धीमी आंच पर पकाएं

केला के फूल को धीमी आंच पर पकाना सबसे अच्छा तरीका है। इससे यह अच्छी तरह से पकता है और इसका स्वाद भी बेहतरीन आता है।तेज आंच पर पकाने से बाहर से जल सकता है जबकि अंदर कच्चा रह जाता है। धीमी आंच पर पकाने से न केवल इसका स्वाद बेहतर होगा बल्कि पौष्टिक तत्व भी बरकरार रहेंगे।इस तरह आप अपने व्यंजनों को स्वादिष्ट और सेहतमंद बना सकते हैं।

धैर्य से पकाएं

केला के फूल को पकाते समय धैर्य रखना बहुत जरूरी है। जल्दीबाजी में पकाने से व्यंजन खराब हो सकता है या उसका स्वाद बिगड़ सकता है।

धीरे-धीरे सभी चरणों को पूरा करें ताकि आपका व्यंजन सही तरीके से तैयार हो सके।

इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपने रसोईघर में केले के फूल का सही उपयोग कर सकते हैं और अपने व्यंजनों को पौष्टिक बना सकते हैं।

चेरी प्रिंट टैंक टॉप में रीवा अरोड़ा का बोल्ड अंदाज, सिजलिंग अदाओं से इंटरनेट पर मचाया तहलका

एक्ट्रेस रीवा अरोड़ा एक बार फिर सोशल मीडिया पर अपने नए फैशन सेंस और ग्लैमरस अवतार को लेकर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ नई तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें उनका कूल, ट्रेंडी और बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है।

तस्वीरों में रीवा ने रिब्ड फैब्रिक वाला व्हाइट कलर का टैंक टॉप पहना हुआ है, जिसके सेंटर में दो लाल चेरी बनी हुई है। उन्होंने इस टैंक टॉप को नीचे से थोड़ा ऊपर मोड़कर वेस्टलाइन को फ्लॉन्ट किया है, जो उनके लुक को बोल्ड टच दे रहा है।

टॉप के साथ रीवा ने लाइट शेड की लो-राइज वाइल्ड-लेग डेनिम जीन्स पेयर की है। लुक को और ज्यादा लग्जरी और क्लासी बनाने के लिए उन्होंने वेस्ट बैंड पर क्रिश्चियन डिओर की सिग्नेचर फैब्रिक बेल्ट कैरी की है।

अपने लुक को पूरा करने के लिए रीवा ने गोल्डन चेन के साथ पेंडेंट, स्टाइलिश गोल्ड रिस्ट वॉच, फिंगर रिंग्स और हाथों में मिनिमल ब्रेसलेट्स पहने हैं। उनके ईयररिंग्स भी काफी अट्रैक्टिव हैं, जो चेरी शेप के ही मैचिंग रेड-ऑरेंज ड्रॉप ईयररिंग्स हैं।

रीवा का मेकअप सॉफ्ट ग्लैम थीम पर बेस्ड है। उन्होंने अपनी आइब्रोज को डार्क और परफेक्टली शेप्ड रखा है। आंखों पर सॉफ्ट ब्राउन शिमरी आईशैडो और मस्कारा का इस्तेमाल किया गया है। गालों पर पीची-पिंक ब्लश और हाइलाइटर का परफेक्ट ग्लो दिख रहा है।

तस्वीरों में रीवा एक से बढ़कर सिजलिंग और बोल्ड अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। वह अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं।

शहनाज गिल से तुलना पर बोलीं लवप्रीत गिल, मेरी भी अपनी पहचान है

पंजाब सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री लवप्रीत गिल इन दिनों बिग बॉस-20 को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अगर वह बिग बॉस के घर जाती हैं तो दर्शक उनकी असली व्यक्तित्व को जान पाएंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि एक कलाकार के तौर पर हम सभी को कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहिए। बिग-बॉस एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां आप अपनी असली और बेबाक पर्सनालिटी दिखा सकते हैं। अभिनेत्री ने बिग बॉस में दोस्ती बनाने को लेकर कहा, मैं वहां गेम खेलने जा रही हूं और मेरा पूरा फोकस गेम पर ही रहेगा। सब कुछ सिचुएशन पर निर्भर करता है। मैं सभी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखूंगी। शो के अंदर खाना बनाने से लेकर सारे काम करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि खाना बनाना एक अच्छा काम है और हमारे पंजाब में इसे नेक काम भी बोला जाता है। मैं वहां बनाऊंगी भी और सभी को खिलाऊंगी भी। इसका गेम से कोई लेना-देना नहीं है। अभिनेत्री लवप्रीत गिल ने कहा, वह मेरी सीनियर आर्टिस्ट हैं और मेरी खुद की अपनी पहचान है। मैंने भी इंडस्ट्री को कुछ साल दिए हैं। मैं पब्लिक से रिक्वेस्ट करती हूं कि वे समझें कि मेरा अपना नाम है। मेरे परिवार ने मुझे मेरी पहचान दी है। प्लीज मुझे भी प्यार दें और हमारी तुलना न करें।बिग बॉस-20 में जाने से पहले अभिनेत्री लवप्रीत का मुकाबला रिया अहीर से होगा। दरअसल, दोनों की एंट्री जनता की वोटिंग पर आधारित है। जनता जिसे ज्यादा वोट देगी उसी को बिग बॉस 20 के घर पर जाने का मौका मिलेगा।

फिसलन वाले जूते पहनने से हो रही है परेशानी? इन 5 हैक्स को अपनाएं

फिसलन वाले जूते पहनने से चलने में काफी दिक्कत होती है, खासकर अगर आप रोजाना ऑफिस या कॉलेज जाते हैं तो फिसलन वाले जूते पहनने से आपको कई बार शर्मिंदगी का सामना करना पड़ सकता है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप कुछ आसान और असरदार उपाय अपना सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने जूतों में पकड़ बढ़ा सकते हैं।

रबर बैंड का करें उपयोग

रबर बैंड का उपयोग करके आप अपने जूतों की पकड़ बढ़ा सकते हैं।इसके लिए आपको बस एक मोटा रबर बैंड लेना है और उसे अपने जूते की तलवे पर अच्छे से बांधना है। इससे आपके जूते फिसलेंगे नहीं और आप आराम से चल सकेंगे।यह तरीका खासकर फ्लैट जूतों के लिए बहुत अच्छा है। इससे न केवल आपकी चलने की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि आप अपने जूतों को लंबे समय तक सही स्थिति में रख सकेंगे।

टेप से बनाएं समाधान

टेप एक ऐसा सामान है, जिसका उपयोग आप अपने जूतों की पकड़ बढ़ाने के लिए कर सकते हैं।इसके लिए आपको बस अपने जूते के तलवे पर टेप की एक पतली परत चिपकानी होगी। इससे आपके जूते फिसलेंगे नहीं और आप आराम से चल सकेंगे। यह तरीका खासकर बारिश या गीली जगहों पर चलने के लिए बहुत अच्छा है। इससे न केवल आपकी चलने की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि आप अपने जूतों को लंबे समय तक सही स्थिति में रख सकेंगे।

नमक का करें उपयोग

नमक का उपयोग करके भी आप अपने जूतों की पकड़ बढ़ा सकते हैं।इसके लिए आपको बस थोड़ा सा नमक पानी में घोलकर अपने जूतों के तलवे पर लगाना है और कुछ देर के लिए छोड़ देना है। इससे नमक आपके जूतों के रबर को मजबूती देगा और फिसलन कम करेगा।

यह तरीका खासकर बारिश या गीली जगहों पर चलने वाले जूतों के लिए बहुत अच्छा है। इससे आपके जूते लंबे समय तक सही स्थिति में रहेंगे।

अखबार आएगा काम

अखबार एक ऐसा सामान है, जिसका उपयोग आप अपने जूतों की पकड़ बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपने जूतों के अंदर अखबार की एक पतली परत डालनी होगी और कुछ घंटे के लिए छोड़ देना होगा।इससे अखबार आपके जूतों के रबर को मजबूती देगा और फिसलन कम करेगा। यह तरीका खासकर बारिश या गीली जगहों पर चलने वाले जूतों के लिए बहुत अच्छा है। इससे आपके जूते लंबे समय तक सही स्थिति में रहेंगे।

मोम का करें उपयोग

मोम का उपयोग करके भी आप अपने जूतों की पकड़ बढ़ा सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपने जूतों के तलवे पर मोम की एक पतली परत रगड़नी होगी और कुछ देर के लिए छोड़ देना होगा।

इससे मोम आपके जूतों के रबर को मजबूती देगा और फिसलन कम करेगा।यह तरीका खासकर बारिश या गीली जगहों पर चलने वाले जूतों के लिए बहुत अच्छा है। इससे आपके जूते लंबे समय तक सही स्थिति में रहेंगे।

रायपुर में 5 दिन बंद रहेंगी मांस-मटन की दुकानें, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

रायपुर, (आरएनएस)। धार्मिक पर्वों को देखते हुए रायपुर नगर निगम ने मांस-मटन की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। निगम क्षेत्र में 14, 15, 22, 25 और 26 सितंबर 2026 को सभी पशुवध गृह और मांस-मटन की दुकानें बंद रहेंगी।

निगम के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी, 15 सितंबर को पर्युषण पर्व के अंतिम दिवस, 22 सितंबर को डोल ग्यारस, 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी और 26 सितंबर को संवत्सरी एवं उत्तम क्षमा के अवसर पर मांस-मटन की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी।

आदेश का पालन कराने के लिए जोन स्वास्थ्य अधिकारियों और स्वच्छता निरीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है। निगम की टीमें दुकानों के साथ-साथ होटल और अन्य प्रतिष्ठानों की भी जांच करेंगी।

प्रतिबंधित दिनों में यदि कहीं मांस-मटन की बिक्री होती मिली तो सामग्री जब्त करने के साथ संबंधित व्यक्ति या प्रतिष्ठान के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निगम ने सभी दुकानदारों को निर्धारित तारीखों पर आदेश का पालन करने के निर्देश दिए हैं।

भाजपा नेता गौरीशंकर श्रीवास का कांग्रेस पर बड़ा हमला, राहुल गांधी से मांगा जवाब

रायपुरबर (आरएनएस)। भाजपा एकात्म परिसर में भाजपा नेता गौरीशंकर श्रीवास ने कांग्रेस पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए राहुल गांधी से जवाब मांगने की बात कही। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पूरे देश में घूमकर मोहब्बत की दुकान की बात करते हैं, लेकिन कांग्रेस के नेता विदेशों में जाकर सोने की खदान खोल रहे हैं।

श्रीवास ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत से जुड़े कथित मामले का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि उनके ओएसडी के यहां छापे के बाद फर्जी OMR शीट और भर्ती प्रक्रिया में बड़े घोटाले के आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि इससे उत्तराखंड के छात्रों के हितों के साथ खिलवाड़ हुआ है और पदों की बोली लगाए जाने के आरोपों की जांच होनी चाहिए। भाजपा नेता ने जांच एजेंसियों से हरीश रावत की गिरफ्तारी की मांग भी की।

जनशिकायत पर तत्काल कार्रवाई, विज्ञान केंद्र सड़ू मार्ग की सफाई

रायपुर,(आरएनएस)। रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 9 के स्वास्थ्य विभाग ने सफाई से संबंधित जनशिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए विज्ञान केंद्र सड़ू मार्ग की सफाई करवाकर स्वच्छता व्यवस्था कायम की।प्राप्त जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए जोन-9 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा के निर्देश एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा के मार्गदर्शन में स्वच्छता निरीक्षक भोला तिवारी की उपस्थिति में जोन स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विज्ञान केंद्र सड़ू मार्ग पर विशेष सफाई अभियान चलाया।अभियान के दौरान मार्ग पर जमा कचरे एवं गंदगी की सफाई करवाने के साथ ही कचरा उठवाकर स्थल को साफ किया गया। निगम की टीम ने जनहित एवं जनस्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की।इस कार्रवाई के माध्यम से जोन-9 स्वास्थ्य विभाग ने सफाई से संबंधित प्राप्त जनशिकायत का त्वरित निदान करते हुए क्षेत्र में स्वच्छता कायम की। निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा नागरिकों से भी सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फैलाने और स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने परिवारजनों के साथ विधि-विधान से की गणपति की स्थापना और पूजा-अर्चना

भगवान गणेश से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना

रायपुर, (आरएनएस)। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर आज मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने परिवारजनों के साथ पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाज से विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान गणेश बुद्धि, और विवेक के प्रतीक हैं। किसी भी शुभ कार्य का प्रारंभ भगवान गणेश की आराधना से करने की हमारी प्राचीन परंपरा रही है। गणेशोत्सव हमारी आस्था का पर्व होने के साथ ही समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकजुटता को सुदृढ़ करने वाला उत्सव भी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में तीज-त्योहारों और उत्सवों का विशेष महत्व है। हमारे पर्व हमें अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ परिवार और समाज को भी एक सूत्र में पिरोते हैं। गणेशोत्सव का उल्लास भी हमें सामूहिकता, सद्भाव और लोकमंगल की भावना से जोड़ता है।

जनदर्शन में गजानंद को पढ़ाई जारी रखने के लिए कलेक्टर ने दिया मदद का भरोसा

जगदलपुर, (ए.)। कलेक्टोरेट के प्रेरणा कक्ष में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं। इस दौरान कुल 7 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर आकाश छिकारा ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में दरभा तहसील के ग्राम अलवा निवासी गजानंद मण्डावी ने अपनी उच्च शिक्षा को लेकर गुहार लगाई। गजानंद ने आवेदन में बताया कि वह अनुसूचित जनजाति वर्ग और बीपीएल परिवार से आते हैं। उनके पिता दिव्यांग हैं और मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। गजानंद इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट डिग्री कोर्स में प्रवेश लेना चाहते हैं, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण शिक्षण शुल्क और हॉस्टल शुल्क वहन करने में असमर्थ हैं। छात्र की लगन और पारिवारिक स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने डीएमएफ मद से आवश्यक सहयोग दिलाने का भरोसा दिया। जनदर्शन में कलेक्टर के इस संवेदनशील रुख से गजानंद के चेहरे पर राहत लौटी और उनके आगे की पढ़ाई के सपने को नई उम्मीद मिली। इस अवसर पर वन मंडलाधिकारी दीपेश कपिल, अपर कलेक्टर सीपी बघेल, सहायक कलेक्टर यशवंत नायक सहित विभिन्न विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

हाईवे पर पहुंचा लोनर हाथी, सेल्फी लेने पहुंचे लोगों पर दौड़ा, मची भगदड़

कोरबा(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के केंदई रेंज के चोटिया में नेशनल हाईवे पर एक लोनर हाथी के अचानक पहुंचने से हड़कंप मच गया। हाथी को देखने के लिए सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कई लोग मोबाइल से वीडियो बनाने लगे, जबकि कुछ लोग सेल्फी लेने के लिए हाथी के बेहद करीब पहुंच गए। इसी दौरान हाथी अचानक आक्रामक हो गया और लोगों की ओर दौड़ पड़ा। हाथी को अपनी तरफ आता देख लोग जान बचाकर भागने लगे और कुछ ही सेकंड में हाईवे पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। राहत की बात रही कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, लोनर हाथी हाईवे पर पहुंचा तो राहगीर और स्थानीय लोग उसे देखने के लिए सड़क पर रुक गए। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गई। कई लोग मोबाइल से हाथी का वीडियो बनाने लगे। कुछ लोग सेल्फी लेने के लिए भी उसके काफी करीब पहुंच गए। लोगों को अपने पास आता देखकर हाथी अचानक आक्रामक हो गया और उनकी तरफदौड़ पड़ा। हाथी को अपनी ओर आते देख वीडियो बना रहे लोग इधर-उधर भागने लगे। इससे हाईवे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

कांकेर के सरोना में रात के समय रिहायशी बस्तियों में भालुओं का आतंक

कांकेर, (आरएनएस)। ग्रामीण इलाकों में इन दिनों वन्य प्राणी भालुओं का रात के समय रिहायशी बस्तियों में खुलेआम विचरण करना आम हो गया है। विशेषकर सरोना और नर्सरी पारा मुड़पार जैसे क्षेत्रों में भालू रात के वक्त गांवों के रिहायशी इलाकों में प्रवेश कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि कांकेर वन मंडल या सरोना रेंज के अंतर्गत विभाग की कोई सक्रिय रेस्क्यू टीम मौजूद होती, तो समय पर सूचना मिलने पर इस खतरनाक भालुओं को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जा सकता था। परंतु वन विभाग की लचर कार्यशैली के कारण ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।ग्रामीणों के अनुसार ये भालू मंदिरों में स्थित शिवलिंग पर चढ़ाए जाने वाले नारियल को तोड़कर खा रहे हैं और दूध या अन्य पेय पदार्थ भी गटक रहे हैं। इतना ही नहीं, खाने की तलाश में वे घरों के फाटकों और दरवाजों को तोड़कर अंदर तक घुसने लगे हैं, जिससे स्थानीय लोगों की रातों की नींद उड़ गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग और स्थानीय लोगों के बीच आपसी तालमेल का पूरी तरह अभाव है। वन ग्रामों में धड़ल्ले से इमारती लकड़ी की कटाई कर चिरान व्यापारियों को बेची जा रही है, और विभाग सब कुछ जानते हुए भी अनजान बना हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस प्रकार की अवैध गतिविधियों पर तुरंत रोक लगाई जाए, जंगलों को बचाया जाए और गांवों में आतंक का पर्याय बन चुके भालू को जल्द से जल्द रेस्क्यू कर सुरक्षित जगह पर भेजा जाए, ताकि लोग सुरक्षित जीवन जी सकें।

तंबूरा थामे कपालिक शैली में गूंजी पंडवानी, पद्मश्री डॉ. उषा बारले ने मोहा मन

रायगढ़, (आरएनएस)। 41वें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह के पहले दिन पद्मश्री डॉ. उषा बारले ने पंडवानी की प्रस्तुति दी। उन्होंने कपालिक शैली में हाथ में तंबूरा लेकर महाभारत के विभिन्न प्रसंगों का ओजस्वी और भावपूर्ण गायन किया। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। डॉ. उषा बारले ने अपनी विशिष्ट शैली में महाभारत के प्रसंगों को जीवंत करते हुए दर्शकों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध पंडवानी परंपरा से परिचित कराया। द्रौपदी चीरहरण, कीचक वध और 'अमर कथा' जैसे प्रसंगों ने दर्शकों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

कार्यक्रम में डॉ. उषा बारले की दोनों पुत्रियों ने छत्तीसगढ़ महतारी की आरती-पूजन का गायन किया। इसके बाद बाबा गुरु घासीदास के संदेशों पर आधारित गीतों के साथ पंथी नृत्य की प्रस्तुति हुई। पंथी नृत्य ने पूरे रामलीला मैदान को छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति से सराबोर कर दिया।

सात वर्ष की उम्र से कर रहीं पंडवानी

डॉ. उषा बारले ने सात वर्ष की उम्र में स्व. मेहत्तर दास बघेल से पंडवानी गायकी की शिक्षा लेना शुरू किया था। उन्होंने डॉ. तीजन बाई से भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। देश के विभिन्न राज्यों के साथ विदेशों में भी पंडवानी की प्रस्तुतियां देकर उन्होंने छत्तीसगढ़ की लोककला को पहचान दिलाई है। पंडवानी के साथ वे पंथी गीत, सतनाम भजन और चौका आरती जैसी लोक विधाओं में भी पारंगत हैं। लोककला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए भारत सरकार ने वर्ष 2023 में उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया है।

खेल समाचार

हॉकी में भारत की नजर स्वर्ण पर, लॉस एंजिल्स ओलंपिक का टिकट भी दांव पर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। हाल ही में संपन्न विश्व कप में भारतीय पुरुष टीम के आठवें और महिला टीम के पांचवें स्थान पर रहने के बाद अब दोनों टीमें एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगी। पुरुष वर्ग में भारत को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है, जबकि महिला टीम भी चीन को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेगी। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफिकेशन का रास्ता भी खोलेगा। क्रेग फुल्टन की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष टीम पिछले चार वर्षों से एशियाई हॉकी में अपना दबदबा बनाए हुए है। वर्ष 2023 से भारत ने दो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, एशिया कप और एशियाई खेलों सहित सभी महाद्वीपीय प्रतियोगिताएं जीती हैं और इस दौरान उसे एक भी हार का सामना नहीं करना पड़ा।हालांकि, लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण जीतना आसान नहीं होगा। वर्ष 2006 के बाद से कोई भी टीम लगातार दो संस्करणों में पुरुष हॉकी का स्वर्ण नहीं जीत सकी है। काकामिगाहारा में भारतीय टीम का अभियान एक सप्ताह से भी कम समय में शुरू होगा और विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद यह प्रतियोगिता फुल्टन और टीम के कई वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी।

विश्व कप की गलतियों से सीखने की चुनौती

विश्व कप में अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, सुमित, जुगराज सिंह, यशदीप सिवाच, संजय राणा और हरमनप्रीत सिंह सहित भारतीय रक्षापंक्ति के खिलाड़ियों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। भारत ने पूरे टूर्नामेंट में 19 गोल खाए, जो विश्व कप में पांचवां सबसे खराब रक्षात्मक रिकॉर्ड था। पाकिस्तान के खिलाफ भी भारत ने तीन गोल गंवाए।गोलकीपिंग से लेकर फॉरवर्ड लाइन तक लगभग हर विभाग संघर्ष करता नजर आया। हालांकि, पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत सिंह की ड्रैगफ्लिक भारत के लिए बड़ी सकारात्मक बात रही। पीठ की समस्या से जूझने के बावजूद उनकी शानदार फिनिशिंग ने कई मौकों पर भारत को मुकाबले में बनाए रखा।हरमनप्रीत की सफलता को फील्ड प्ले में भारतीय फॉरवर्ड खिलाड़ियों को आगे बढ़ाना होगा। 2023 के एशियाई खेलों के बाद से अभिषेक नैन लगातार प्रभावी रहे हैं और उन्होंने 86 मैचों में 30 गोल किए हैं। वहीं, अनुभवी फॉरवर्ड मनप्रीत सिंह ने 69 मैचों में 11 गोल किए हैं।फुल्टन ने टीम के चारों क्वार्टर में समान स्तर बनाए रखने में नाकाम रहने पर निराशा जताई थी। हालांकि, एशिया की अन्य टीमों में भी पूरे मैच में लगातार उच्च स्तर का प्रदर्शन करने की क्षमता को लेकर सवाल हैं। लॉस एंजिल्स ओलंपिक का टिकट दांव पर होने के कारण फुल्टन ने टीम में अनुभव को प्राथमिकता दी है। इसी वजह से आदित्य लालगे की जगह राजकुमार पाल को टीम में शामिल किया गया है, जो विश्व कप में भी टीम के साथ थे।

रुमेश पथिरगे की हंगरी से श्रीलंका लौटते समय जैवलिन खराब हुई, सोशल मीडिया पर दी जानकारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप जीतने के बाद श्रीलंका के जैवलिन स्टार रुमेश थरंगा पथिरगे को घर वापसी के समय एक बुरा झटका लगा। हंगरी से लौटते समय पथिरगे की चार खास कॉम्पिटिशन जैवलिन खराब हो गईं। पथिरगे ने इंस्टाग्राम स्टोरी में अपने खराब जैवलिन की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, बैड लक। एक अन्य स्टोरी में पथिरगे ने एयरलाइंस की भी आलोचना की और टूटे हुए हीट इमोजी के साथ थैंक यू टर्किश एयरलाइंस लिखा। श्रीलंका के न्यूजवायर के मुताबिक, इस घटना को लेकर एयरलाइन में शिकायत दर्ज कराई गई है।

पथिरगे ने कहा, मैंने 90 से ज्यादा थ्रो के लिए जिन तीन जैवलिन का इस्तेमाल किया, वे खराब हो गए हैं। हो सकता है कि यह एयरलाइन की गलती हो, लेकिन ऐसा ही होता है। यह कोई बड़ी बात नहीं है। मैं आगे बढ़ूंगा।

पथिरगे ने रविवार को बुडापेस्ट में वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में पुरुषों की जैवलिन थ्रो में 91.09 मीटर फेंककर शानदार सीजन जीता।

इस सीजन में यह तीसरा मौका था, जब पथिरगे ने 90 मीटर का आंकड़ा पार किया। इससे पहले उन्होंने जून में रोम में 92.62 मीटर का श्रीलंकाई नेशनल रिकॉर्ड बनाया, और पिछले महीने ज्यूरिख डायमंड लीग जीतने के लिए 92.07 मीटर दूर जैवलिन फेंका था।

पथिरगे इस साल जैलविन प्रतियोगिताओं में छाए रहे हैं। उन्होंने अपने 12 कॉम्पिटिशन में से 11 जीते हैं। उनकी हालिया जीत ने इस शानदार सीजन में एक खिताब का इजाफा किया है। पथिरगे ने इस साल कॉमनवेल्थ गेम्स, डायमंड लीग सर्किट में रोम, दोहा, लॉजेन और ज्यूरिख में जीत के साथ अपना दबदबा बनाया। वह डायमंड लीग फाइनल जीतने वाले पहले श्रीलंकाई बने।पथिरगे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जैवलिन में न सिर्फ भारत के नीरज चोपड़ा के लिए कड़ी चुनौती पेश की है, बल्कि दुनिया के अन्य दिग्गज जैवलिन थ्रोअरों के लिए भी मुश्किल खड़ी कर दी है।

श्रेयस अय्यर ने रचा टॉस का नया रिकॉर्ड, पहले 12 टी20 में 11वीं बार जीता टॉस

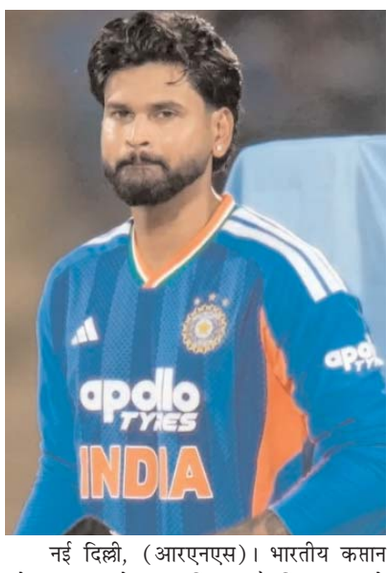

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में मंगलवार को टॉस जीतकर एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

अय्यर ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में कप्तान के रूप में अपने पहले 12 मैचों में 11वीं बार टॉस जीता है, जो इस प्रारूप में किसी कप्तान का अपने शुरुआती 12 मुकाबलों में सर्वाधिक टॉस जीतने का रिकॉर्ड है।

अय्यर ने इस मामले में कतर के मिर्जा बेग और फिलीपींस के हेनरी टायलर को पीछे छोड़ा, जिन्होंने अपने पहले 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कप्तान के तौर पर 10-10 टॉस जीते थे। पूर्ण सदस्य देशों के कप्तानों में इंग्लैंड के इयोन मोर्गन और बांग्लादेश के महमूदुल्लाह नौ-नौ टॉस जीतकर अगले स्थान पर हैं।अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 में टॉस जीतने के बाद अय्यर ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यह उनके लिए कप्तान के तौर पर टॉस के मामले में शानदार रिकॉर्ड की एक और कड़ी है।

दिलचस्प बात यह है कि विराट कोहली, लिटन दास और शाई होप अपने शुरुआती 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कप्तान के रूप में केवल दो-दो टॉस जीत सके थे। पूर्ण सदस्य देशों के कप्तानों में यह सबसे कम आंकड़ा है।

मैच की बात करें तो भारतीय टीम ने इस मैच में चोटिल वरुण चक्रवर्ती की जगह रवि बिश्नोई को प्लेइंग 11 में मौका दिया है।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर : पीएचएफ

नई दिल्ली (आरएनएस)। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) के प्रमुख मोहिउद्दीन अहमद वानी ने कहा है कि अगले महीने होने वाली हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर है। मेन्स एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होनी है। इसमें भारत, चीन, जापान, मलेशिया और कोरिया के साथ ही पाकिस्तान को भी हिस्सा लेना है। पाकिस्तान के नहीं आने की स्थिति में ओमान या बांग्लादेश को मौका दिया जा सकता है। दोनों टीमों को फिलहाल रिजर्व टीम के रूप में रखा गया है। पाकिस्तान के दैनिक अंग्रेजी समाचार पत्र डॉन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वानी ने कहा, पाकिस्तान टीम का दौरा सरकारी मंजूरी पर निर्भर करेगा। सरकार हमसे जो भी करने को कहेगी, हम वही करेंगे।पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान अगले महीने टूर्नामेंट के लिए भारत आएगा। मल्टी-नेशनल टूर्नामेंट में कोई दिक्कत नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज नहीं हो सकती।

फॉर्म की तलाश में बाबर आजम घरेलू क्रिकेट में लौटे, ओजीडीसीएल के लिए प्रथम श्रेणी मैच खेलेंगे

नई दिल्ली (आरएनएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के टेस्ट फॉर्मेट के कप्तान बाबर आजम लंबे समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। बाबर ने न सिर्फ टेस्ट बल्कि वनडे और टी20 में भी अपनी बल्लेबाज से निराश किया है। हाल ही में इंग्लैंड में संपन्न टेस्ट सीरीज में भी बाबर का प्रदर्शन साधारण रहा। खराब फॉर्म से बाहर निकलने के लिए बाबर आजम ने अब घरेलू क्रिकेट का रुख किया है। आजम 2019 के बाद पहली बार घरेलू रेड बॉल क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। वह ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओजीडीसीएल) के लिए चल रहे प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी ग्रेड 1 फर्स्ट-क्लास टूर्नामेंट में खेलेंगे। विभाग ने उन्हें गेस्ट प्लेयर के तौर पर साइन किया है। बाबर ने आखिरी बार दिसंबर 2019 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेली थी।

ओजीडीसीएल के स्पोर्ट्स हेड फराह के हवाले से कहा गया, बाबर 16 सितंबर को यूके से पाकिस्तान वापस आएंगे और अगले दिन ओजीडीसीएल स्क्वॉड में शामिल होंगे। उनकी किट का ऑर्डर दे दिया गया है। बाबर आने पर तय करेंगे कि वह दूसरे मैच से खेलेंगे या तीसरे मैच से।

बाबर की लंबे समय से घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट से दूरी बनाने के लिए आलोचना हो रही है। बाबर ने अपना आखिरी टेस्ट शतक दिसंबर 2022 में कराची में न्यूजीलैंड के खिलाफ 161 रन की पारी खेली थी।

बाबर आजम के अलावा टेस्ट टीम से बाहर चल रहे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और बल्लेबाज सलमान अली आगा भी प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेल रहे हैं। शाहीन शाह अफरीदी केआरएल और सलमान अली आगा किंग्समेन एकेडमी के लिए खेल रहे हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Headquarters, Rajiv Gandhi Bhawan, Safdarjung Airport, New Delhi- 110003

EMPANELMENT OF ARBITRATOR

Airports Authority of India (AAI) invites applications for "Empanelment of Arbitrator for resolution of disputes arising out of legal issues, contract management, infrastructure projects related to AAI."

Form for online application is available on the official website of AAI from 10.09.2026 (09:30 AM) to 09.10.2026 (06:00 PM). The applications are invited through online mode only. For Eligibility Criteria and detailed information regarding the empanelment, please visit the Airports Authority of India website at www.aai.aero → Career → Recruitment Dashboard.

CBC- 03111/11/0007/2627 N-02-2026-27 (CC)

महिलाओं की आत्मशुद्धि का व्रत है ऋषि पंचमी का व्रत

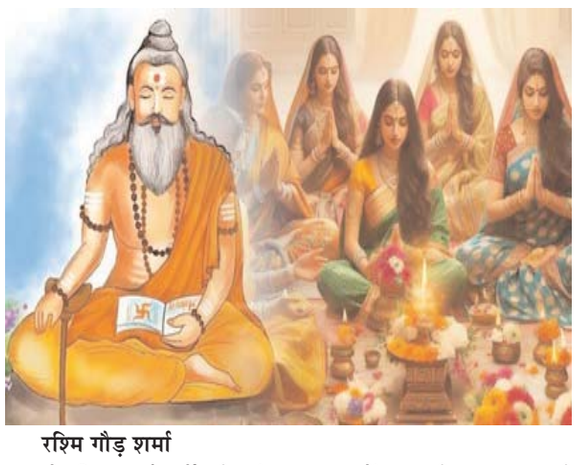

रश्मि गौड़ शर्मा

डोलरिया। पूर्व वर्षों की परंपरानुसार भादों माह की शुक्ल पक्ष की पंचमी के अवसर पर महिलाओं द्वारा ऋषि पंचमी के व्रत की प्राचीन परंपरा है। आचार्य पं नीरजेश त्रिपाठी ने बताया कि महिलाएं रोग और दोष के निवारणार्थ व्रतोपासना करती हैं। सुबह महिलाएं मां नर्मदा में डुबकी लगाने से पूर्व स्नान अद्धाझारे पौधे की 108 दातुन कर उसके 108 पत्तों को सिर पर रख कर 108 बार लोटे से नर्मदा जल भर कर स्नान करती हैं। इसलिए एक दिन पूर्व से ही अद्धाझारे के पौधे की दातुन और पत्तों की गड्डी की बिक्री नर्मदा तट के आसपास तथा शहर के अनेक हिस्सों में होती रही। ऋषि पंचमी की परंपरा के अनुसार व्रतधारी महिलाएं एक स्थान पर 4-5 के समूह में एकत्रित होकर केले के पत्ते पर सप्तऋषियों की आकृति उकेर कर उनकी पूजन अर्चन करती हैं। पंडित को बुलाकर ऋषि पंचमी व्रत की कथा सुनने के बाद प्रसाद वितरण किया जाता है।

सभी धार्मिक व्रत त्योहार के चलते सेठानी घाट, कोरीघाट, विवेकानंद घाट, मंगलवारा घाटों सहित अन्य घाटों पर स्नान करने वालों में महिलाओं की भीड़ सुबह से लग जाती है। व्रत को लेकर महिलाओं द्वारा व्रत संबंधित सामग्री की खरीददारी की जाती। की जाती है जिससे बाजार में अच्छी खासी रौनक बनी हुई है। इस पूरे सप्ताह में महिलाओं के व्रतों की संख्या सबसे अधिक है। अब दो दिन बाद संतान सप्तमी का व्रत आने वाला है। उसके बाद मोरछट और फिर राधा अष्टमी कर पर्व भी उत्साह के साथ मनाया जाता है।

लगातार व्रत कर रही अनेक महिलाएं

तिथियों के हेरफेर के कारण अनेक श्रद्धालु महिलाओं को लगातार व्रत करना पड़ रहा है। पहला व्रत तीजा का फिर अनेक महिलाएं गणेश चतुर्थी का व्रत रखती इसके बाद यह ऋषि पंचमी का व्रत भी आ जाने से अनेक महिलाओं का लगातार तीसरे दिन भी व्रत रहता है। प्राचीन मान्यतानुसार यह व्रत महिलाओं की आत्मशुद्धि का व्रत है। जिन महिलाओं से रजस्वला के दौरान कुछ दोष लग जाता है उसकी निवृत्ति के लिए सप्तऋषियों से क्षमा याचना की जाती है। उनकी पूजन से महिलाएं दोष मुक्त हो जातीं हैं।

सेवा संकल्प अभियान : 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा एवं सुशासन के क्षेत्र में 25 वर्ष पूर्ण होने तथा उनके जन्मदिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार 17 सितंबर 2026 को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी नर्मदापुरम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना, समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए पर्याप्त रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। जिला अस्पताल नर्मदापुरम एवं सिविल अस्पताल इटारसी में प्रात: 9 बजे से होगा रक्तदान 17 सितंबर को आयोजित रक्तदान शिविर के अंतर्गत ब्लड बैंक, जिला अस्पताल नर्मदापुरम एवं सिविल अस्पताल इटारसी में प्रात: 9 बजे से स्वैच्छिक रक्तदान किया जा सकेगा।

एसपी आफिस और थाना स्तर पर जनसुनवाई हुई

आमजन की शिकायतों का किया गया निराकरण

नर्मदापुरम (निप्र)। पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साई कृष्णा द्वारा आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय नर्मदापुरम में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं साझा कीं और उनके निराकरण की मांग की।आज की जनसुनवाई के दौरान कुल 31 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें मुख्य रूप से पारिवारिक विवाद संपत्ति संबंधी मामले धोखाधड़ी एवं अन्य व्यक्तिगत शिकायतें शामिल थीं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को अत्यंत गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं थाना प्रभारियों को संबंधित प्रकरणों में तत्काल जांच कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र और प्रभावी समाधान करना है। पुलिस.जन संवाद को मजबूत बनाना नागरिकों को समय पर न्याय दिलाना तथा पुलिस प्रशासन के प्रति जन.विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करना पुलिस विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।उल्लेखनीय है कि जनसुनवाई कार्यक्रम प्रत्येक मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय नर्मदापुरम एवं जिले के समस्त थानों में नियमित रूप से आयोजित किया जाता है जिसमें जिलेभर एवं थानाक्षेत्र से आए नागरिक बिना किसी संकोच के अपनी समस्याओं को उच्च अधिकारियों के समक्ष रखकर उनका प्रत्यक्ष निराकरण प्राप्त कर सकते हैं।

जनसुनवाई में 87 आवेदनों पर हुई सुनवाई

नर्मदापुरम (निप्र)। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला ने विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदनों का समाधान किया। जनसुनवाई में आए 87 आवेदनों पर सुनवाई कर उनका निराकरण किया। श्री शुक्ला ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई मे आए पेंशन, सीमांकन, अतिक्रमण, विधुत, राजस्व सम्बन्धि आवेदनों पर सुनवाई कर उनका त्वरित निराकरण किया गया।

मॉडल यूनाइटेड नेशंस के दूसरे चरण में शांतिनिकेतन की छात्राओं ने किया प्रतिनिधित्व

नर्मदापुरम (निप्र)।8 एवं 9 अगस्त 2026 को मॉडल यूनाइटेड नेशंस के द्वितीय चरण का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इस आयोजन में शांतिनिकेतन मोंटेसरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नर्मदापुरम की कक्षा 11वीं की छात्राओं सृष्टि सिंह एवं गौरांगी मालवीय ने विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। मॉडल यूनाइटेड नेशंस के द्वितीय चरण में उत्कृष्ट करते हुए दोनों छात्राओं ने विद्यालय के साथ-साथ नर्मदापुरम का गौरव बढ़ाया। उनकी इस उपलब्धि पर शाला की चेयरपर्सन श्रीमती ग्रेस जॉर्ज ने दोनों विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर शांतिनिकेतन परिवार की ओर आशीर्वाद दिया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सेवा संकल्प अभियान के सभी कार्यक्रमों को जनसहभागिता के साथ किया जाए : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

नर्मदापुरम/(निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने निर्देश दिए कि सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों का क्रियान्वयन पूरी गंभीरता एवं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों में जनसहभागिता को प्राथमिकता दी जाए तथा कार्यक्रमों की सफलता के लिए पूर्व से कार्ययोजना तैयार कर उसका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को कार्यक्रमों के लिए नोडल अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी सौंपने तथा उनके दायित्वों का स्पष्ट निर्धारण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी एवं डाटा निर्धारित पोर्टल पर समय-सीमा में अद्यतन किया जाना सुनिश्चित किया जाए। डाटा अद्यतन करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जिम्मेदारी सौंपी जाए।कलेक्टर श्री मिश्रा ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को आयोजित होने वाले शिविर की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शिविर के लिए चिन्हित शिकायतों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर में प्राप्त शिकायतों के निराकरण की नियमित समीक्षा करते हुए नागरिकों को समय पर राहत उपलब्ध कराई जाए।

भारतीय किसान संघ समस्याओं के निराकरण हेतु बैठक कर दिया ज्ञापन

माखन नगर(निप्र)। भारतीय किसान संघ तहसील माखन नगर द्वारा कृषि उपज मंडी में मासिक बैठक की गई बैठक में भारतीय किसान संघ के प्रमुख पर्व भगवान बलराम जयंती इस पखवाड़े में तहसील के सत प्रतिशत गांवों में मनाई जावेगी उसके लिए कार्य योजना बनाई गई। बैठक में वर्तमान में किसानों के लिए आ रही समस्याओं के बारे में भी चर्चा की गई इसके उपरांत प्रतिवर्ष अनुसार संपूर्ण मध्य प्रदेश में 15 सितंबर को ज्ञापन दिया जाता है। इस तारतम्य में तहसील में नायब तहसीलदार सुनील गढ़वाल को तीन ज्ञापन दिए गए जिसमें प्रधानमंत्री के ना मुख्यमंत्री के नाम एवं स्थानीय समस्याओं को लेकर जिलाधीश के नाम ज्ञापन दिए गए। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम दिए गए ज्ञापन में मुख्य बिंदु 1सभी फसलों पर लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य दिया जावे। 2 कृषि में उपयोग में होने वाली दवाई कृषि यंत्र तथा बीज पर से जीएसटी हटाई जावे। 3 समर्थन मूल्य खरीदी में बायोमेट्रिक मशीन का प्रयोग पूर्णतया बंद किया जावे पुन: ओटीपी व्यवस्था को लागू किया जावे। 4 ई टोकन खाद प्रणाली में सुधार किया जावे। 5 समर्थन मूल्य पर सभी फसलों को खरीदा जावे भावांतर योजना का भारतीय किसान संघ पुरजोर विरोध करता है।

स्थानीय समस्याओं को लेकर जिलाधीश के नाम ज्ञापन दिया इसके प्रमुख बिंदु

1 समर्थन मूल्य मूंग खरीदी में भुगतान से शेष रहे किसानों को शीघ्र भुगतान किया जावे। 2 समय पूर्व नेहरोकी सफाई कर एवं मरम्मत कार्य किया जावे।

कांग्रेसियों ने एकजुटता के साथ दिया जागरुक्ता का परिचय

शहर की तमाम समस्याओं के संबंध में सीएमओ को दिया ज्ञापन

नर्मदापुरम (निप्र)। शहर के कांग्रेसियों ने जागरूकता का परिचय देते हुए विपक्ष की भूमिका निर्वाह करते हुए मंगलवार को सीएमओ वैभव देशमुख को ज्ञापन देकर समस्याओं के निराकरण की मांग की है। कांग्रेसियों ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपा कर जल्द निराकरण करने की अपेक्षा की है। वरिष्ठ नेता राजेश राठौर जमील खान ने वार्ड 6 के नाले की समस्या बताई आनंद थापक महेश पाण्डेय ने वार्ड 2- 3 में जैन मंदिर है प्रयुषण पर्व शुरू होने वाले है वहाँ की खुली नालियों की सफाई करने अधूरी नाली निर्माण पूर्ण करने की बात कही अजीत विष्ट संतोष अहिरवार दिलीप अहिरवार ने वार्ड 11 में गोकुल धाम साईं छत्र कॉलोनी रोड को बनाने की मांग की अजय सैनी फैजान उल हक आयुष्मान अवस्थी ने गाँधी पार्क सौंदर्यकरण कार्य शीघ्र कराने की मांग की संतोष तोमर मोहन वैध कपिल यादव ने राजघाट निर्माण शीघ्र पूरा करने की अपील की रिजवान खान धीरज बहुत्रा सिराज खान आफरीद ने बाजार बैठकी व्यवस्थित करने की मांग की कुलदीप राठौर प्रकाश यादव ने सीवर लाइन कम्पनी को गुडवत्ता पूर्ण कार्य करने के निर्देश देने का आग्रह किया देवीदास चावरे ने शहर में प्रमुख जगहों पर पार्किंग बनाए जाने की मांग की इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष नपा अनोखी राजोरिया पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी लखन यादव जयराज आर्य जागेश यादव तुकाराम यादव रामगोपाल मालवीय खुश्बू बूलचंदानी महेंद्र गुजरे राहुल सहित अन्य कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान : 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक

नर्मदापुरम जिले में स्कूलों, महाविद्यालयों, आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों के विद्यार्थियों की होगी सहभागिता

नर्मदापुरम(निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा एवं सुशासन के क्षेत्र में 25 वर्ष पूर्ण होने तथा उनके जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नर्मदापुरम जिले में 'सेवा चित्र' थीम पर राष्ट्रव्यापी ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार आयोजित होने वाली इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को जनसेवा, राष्ट्रनिर्माण, सुशासन तथा विकसित भारत की संकल्पना से जोड़ना है।जिले में प्रतियोगिताओं के आयोजन की जिम्मेदारी स्कूल शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग के नोडल विभागों के समन्वय से सुनिश्चित की जाएगी। प्रतियोगिताओं में शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों, आईटीआई तथा पॉलिटेक्निक संस्थानों के विद्यार्थी सहभागिता करेंगे।सेवा चित्र अभियान के अंतर्गत 19 सितंबर 2026 को जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों में ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए सेवा कार्यों, जनकल्याणकारी पहलों तथा विकसित भारत के संकल्प से संबंधित विषयों पर अपनी रचनात्मकता एवं विचार व्यक्त करने का अवसर मिलेगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com